दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik | asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005 www.asliazadi.com

■ वर्षः 21, अंकः 149 ■ दमण, शनिवार 28, फरवरी 2026 ■ पृष्ठः 8 ■ मूल्यः 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव बना वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य संवाद का केंद्र

भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की यात्रा में प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन की भूमिका महत्वपूर्ण हैः प्रशासक प्रफुल पटेल

■ नमो चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान सिलवासा में संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव तथा लक्षद्वीप के प्रशासक प्रफुल पटेल ने देश विदेश के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में 53वें राष्ट्रीय IAPSMCON 2026 का किया उद्घाटन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 27 फरवरी। नमो चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान सिलवासा द्वारा 53वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन (IAPSMCON 2026) का 27 फरवरी से 1 मार्च 2026 तक आयोजन किया जा रहा है। इस सम्मेलन में प्री-कॉन्फ्रेंस 26 फरवरी 2026 को आयोजित हुआ, जबकि मुख्य सम्मेलन 27 फरवरी को शुरू हुआ और 1 मार्च 2026 तक चलेगा। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव तथा लक्षद्वीप के प्रशासक प्रफुल पटेल ने 27 फरवरी 2026 को 53वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन का उद्घाटन किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रागट्य करके की गई। इसके बाद कॉन्फ्रेंस में आए महानुभावों का प्रशासक प्रफुल पटेल ने मोमेंटो और सर्टिफिकेट देकर स्वागत किया। प्रशासक प्रफुल पटेल ने सभी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए अपने अभिभाषण में इस संमेलन के महत्व एवं प्रधानमत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस प्रदेश द्वारा किए गए विकास का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। साथ ही उन्होंने भारत में Non Communicable Diseases (डायबिटीज, हाइपरटेंशन, हृदयरोग, कैंसर) की बढ़ती समस्या की चिंता व्यक्त करते हुए जीवनशैली नियमन, निवारक जांच और सामुदायिक भागीदारी की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालने पर जोर दिया। उन्होंने यह भी बताया की भारत की एक विकसित राष्ट्र बनने की यात्रा में Preventive and Social Medicine की भूमिका अहम है। प्रशासक प्रफुल पटेल ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। भारत में Preventive Medicine की अवधारणा प्राचीन काल से विकसित रही है। Prevention is Better than Cure सिंधु घाटी सभ्यता की उन्नत स्वच्छता और नगर नियोजन प्रणालियाँ सार्वजनिक स्वास्थ्य के महत्व को दर्शाती हैं। उपनिषदों का सर्वे सन्तु निरामयाः सार्वभौमिक स्वास्थ्य की भावना प्रकट करता है, जबकि अथर्ववेद में रोग, औषधि और स्वच्छता के उल्लेख मिलते हैं। भारत में निवारक स्वास्थ्य एक समृद्ध सभ्यतागत परंपरा का हिस्सा रहा है। यह सम्मेलन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत @ 2047 के विजन से प्रेरित है। उनके दूरदर्शी नेतृत्व एवं स्वस्थ भारत की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में यह सम्मेलन एक महत्वपूर्ण पहल है। साथ ही प्रशासक प्रफुल पटेल के मार्गदर्शन एवं अथक प्रयासों से संघ प्रदेश में स्वास्थ्य, शिक्षा एवं चिकित्सा अवसंरचना के क्षेत्र में निरंतर प्रगति हो रही है, जिसके परिणामस्वरूप इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन संभव हो पाया है। इस सम्मेलन की थीम एक स्वस्थ भारत के लिए नीति को व्यवहार में बदलना - @ 2047 तक विकसित भारत का रास्ता है। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में भारत में समग्र स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु नीतिगत परिवर्तनों के लिए एक प्रभावी घोषणा-पत्र तैयार करना है। यह मंच नीति-निर्माताओं, सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों, स्वास्थ्य सेवा नेतृत्वकर्ताओं, शिक्षाविदों एवं शोधकर्ताओं को एक साथ लाकर ज्ञान-विनिमय, सहयोग, नवाचार एवं ठोस नीतिगत सुधारों को बढ़ावा देगा। इस सम्मेलन में 1500 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहें हैं जिनमें 15 विदेशी प्रतिनिधि भी शामिल है। अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि मंडलों में यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी (एपिडेमियोलॉजी एवं वन हेल्थ), ग्लोबल हेल्थ एकेडमी (यूएसए), यूनिवर्सिटी ऑफ एबरडीन (यूके) सहित विश्व बैंक (दक्षिण-पूर्व एशिया प्रमुख), बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, यूनिसेफ, विश्व स्वास्थ्य संगठन, JHPIEGO एवं अन्य वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। राष्ट्रीय स्तर पर महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं (DGHS), राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (NCDC), NOTTO, NHSRC तथा अन्य प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थानों एवं गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेने पहुंचे है। सम्मेलन में 380 मौखिक शोध प्रस्तुतियां एवं 200 ई-पोस्टर प्रस्तुतियां आयोजित की जा रही है। साथ ही विभिन्न स्मारक व्याख्यान, पैनल चर्चाएं एवं नीतिगत विमर्श सत्र भी शामिल है। सम्मेलन का प्रसारण डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी किया जा रहा है। यह सम्मेलन संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के लिए अत्यंत गर्व का एवं ऐतिहासिक क्षण सिद्ध होगा। पहली बार इतने बड़े राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सार्वजनिक स्वास्थ्य सम्मेलन का आयोजन इस प्रदेश में हो रहा है, जो इसे राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्वास्थ्य मानचित्र पर सशक्त पहचान प्रदान करेगा। यह सम्मेलन निवारक, उपचारात्मक एवं सामाजिक स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नीति से व्यवहार (Policy to Practice) तक प्रभावी सेतु स्थापित करते हुए विकसित भारत @ 2047 की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा। IAPSMCON 2026 में होने वाली चर्चाएं उस भविष्य को आकार दे सकती हैं, जो Policy into Practice में और Vision into Measurable Results में बदलेंगी।

58 साल का जहरीला सच अब छुपेगा नहीं: सांसद उमेश पटेल ने वापी-दमण प्रदूषण पर दिखाया सीधा और सख्त रुख

■ सांसद उमेश पटेल ने गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के चेयरमैन आर. बी. बारड और जीपीसीबी के मेंबर सेक्रेटरी देवांग ठाकर से मुलाकात कर वापी-दमण क्षेत्र में जारी प्रदूषण को लेकर दर्ज कराई गंभीर आपत्ति ■ दमण अब बलि का बकरा नहीं बनेगा और दमण-वापी का कूड़ेदान नहीं हैः सांसद उमेश पटेल

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, गांधीनगर 27 फरवरी। दमण-दीव सांसद उमेश पटेल ने आज गांधीनगर में गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के चेयरमैन आर. बी. बारड और जीपीसीबी के मेंबर सेक्रेटरी देवांग ठाकर से सीधी और सख्त मुलाकात कर वापी-दमण क्षेत्र में जारी प्रदूषण को लेकर गंभीर आपत्ति दर्ज कराई। मुलाकात के दौरान सांसद उमेश पटेल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वापी-दमण क्षेत्र में चल रहा प्रदूषण केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि 58 वर्षों की राजनीतिक और संस्थागत विफलता का परिणाम है। बैठक में सांसद ने तीखे प्रश्न उठाए। सांसद उमेश पटेल ने विभिन्न संवैधानिक संस्थाओं, न्यायालयों और निरीक्षण रिपोर्टों का उल्लेख करते हुए निम्नलिखित प्रश्न उठाए। जिसमें उन्होंने कहा कि Central Pollution Control Board (CPCB) की 14 संयुक्त रिपोर्टें निरंतर उल्लंघन दर्शा चुकी हैं, तो प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं हुई? जब National Green Tribunal (NGT) ने वर्ष 2019 में बहाली (Restoration) का स्पष्ट आदेश दिया तो उसका पूर्ण अनुपालन आज तक क्यों नहीं हुआ? 23,900 मीट्रिक टन जहरीला ईटीपी स्लज वर्षों से लंबित पड़ा है, इसकी जवाबदेही किसकी है? 15,836 मछुआरों की आजीविका लगभग समाप्त हो चुकी है, मुआवज़ा और पुनर्वास कहां है? सांसद ने तीखे शब्दों में पूछा कि जब 1967 से ज़हर फैल रहा है, फिर भी 2026 तक आपकी चुप्पी क्यों? उन्होंने कहा कि केवल नदी ही नहीं, बल्कि क्षेत्र की हवा, मिट्टी और भूजल भी गंभीर रूप से प्रदूषित हो चुके हैं, जिससे नागरिकों के स्वास्थ्य और जीवन पर भयंकर खतरा मंडरा रहा है। सांसद उमेश पटेल ने स्पष्ट और दृढ़ शब्दों में कहा कि यह पर्यावरणीय संकट नहीं, औद्योगिक अपराध है। यह केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि प्रशासनिक संरक्षण में पनप रहा औद्योगिक अपराध है। दमण के लोगों को स्वच्छ हवा, सुरक्षित जल और स्वस्थ जीवन का संवैधानिक अधिकार है और हम यह अधिकार लेकर रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि विकास के नाम पर प्रदूषण को ढाल नहीं बनाया जा सकता। सांसद उमेश पटेल ने चार ठोस मांगें रखी। जिसमें स्वतंत्र संयुक्त बहाली समितिः वापी-दमण के लिए पूर्ण प्रवर्तन शक्तियों, समयबद्ध रोडमैप और सार्वजनिक जवाबदेही के साथ संयुक्त बहाली समिति का गठन। एनजीटी 2019 आदेश का तत्काल क्रियान्वयनः यदि कोई स्थगन आदेश है तो उसे सार्वजनिक किया जाए; पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। कैंसर रजिस्ट्री और स्वास्थ्य ऑडिटः वापी-दमण क्षेत्र में व्यापक महामारी विज्ञान अध्ययन, कैंसर रजिस्ट्री, बायोमॉनिटरिंग और स्वास्थ्य सर्वेक्षण। हर 15 दिन समीक्षा तंत्रः फाइलों में नहीं, जमीन पर परिणाम इसके लिए पाक्षिक समीक्षा बैठक अनिवार्य की जाए। सांसद ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि दमण अब बलि का बकरा नहीं बनेगा और दमण-वापी का कूड़ेदान नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि गुजरात-दमण औद्योगिक कॉरिडोर हजारों करोड़ का राजस्व देता है, तो उसकी पर्यावरणीय जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी होनी चाहिए। उन्होंने सरीगाम औद्योगिक क्षेत्र की स्थिति को भी गंभीर बताते हुए व्यापक क्षेत्रीय पर्यावरणीय ऑडिट की मांग की। सांसद उमेश पटेल ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि त्वरित और ठोस कार्रवाई नहीं होती है तो संसद में विशेष चर्चा की मांग करेंगे, उच्च न्यायालय/एनजीटी में कठोर हस्तक्षेप याचिका दायर करेंगे। प्रभावित समुदायों के साथ व्यापक सडक से संसद तक का जनआंदोलन का नेतृत्व करेंगे। सांसद ने यह भी स्पष्ट किया कि यह संघर्ष किसी सरकार किसी दल या किसी उद्योग इकाई के खिलाफ नहीं है, यह संघर्ष विकास के विरोध में भी नहीं है, बल्कि यह संघर्ष आने वाली पीढ़ियों के अस्तित्व और एक जनप्रतिनिधि की संवैधानिक जवाबदेही का है। दमण की धरती, दमणगंगा का जल और अरब सागर का तट - हम इन्हें जहर से मुक्त कराकर रहेंगे। सांसद कार्यालय द्वारा जारी प्रेस नोट में इसकी जानकारी दी गई है।

1000 करोड़ का ठग दुबई से गिरफ्तार : ईडी नसीम को लखनऊ लाएगी

लखनऊ (एजेंसी)। शाइन सिटी समूह के प्रमोटर और करीब 1000 करोड़ रुपये की कथित ठगी के मुख्य आरोपी राशिद नसीम को दुबई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई भारतीय एजेंसियों के अनुरोध पर की गई। अब प्रवर्तन निदेशलय (ईडी) की टीम नसीम को दुबई से लखनऊ लाने की तैयारी में है। लगभग 10 महीने पहले लखनऊ की विशेष अदालत ने राशिद को भगौड़ा घोषित किया था। राशिद नसीम और उसकी कंपनियों के खिलाफ उत्तर प्रदेश में करीब 554 एफआईआर दर्ज हैं। आरोप है कि निवेश के नाम पर लोगों से 800 से 1000 करोड़ रुपये तक की ठगी की गई। निवेशकों को ऊंचे और आकर्षक रिटर्न का लालच दिया गया, लेकिन 2019 में राशिद देश छोड़कर दुबई फरार हो गया। दुबई पुलिस ने ईडी और ईओडब्ल्यू के अनुरोध पर नसीम को गिरफ्तार किया। संयुक्त अरब अमीरात में भारतीय एजेंसियों के समन्वय से उसकी लोकेशन ट्रेस की गई थी। सरकारी एजेंसियां पहले ही राशिद और उससे जुड़ी कंपनियों की सैकड़ों करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त कर चुकी हैं। 2021 में सामने आए ऑडियो में राशिद ने दावा किया था कि सरकार उसकी करीब 500 करोड़ रुपये की संपत्ति कब्जे में ले चुकी है, जिसकी मौजूदा कीमत करीब 1000 करोड़ रुपये बताई जाती है। उसी ऑडियो में करीब 300 करोड़ रुपये किसानों और ब्रोकरों के बीच फंसे होने की बात कही गई थी। जमीन सौदों में विवाद और कुछ दलालों के फरार होने से कंपनी कानूनी उलझनों में घिरी रही। हालांकि जांच एजेंसियां इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि कर रही हैं। राशिद और उसके भाई आसिफ पर गृह विभाग ने 5-5 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। पहले यह इनाम 50-50 हजार रुपये था। कंपनी से जुड़े पांच अन्य आरोपियों पर भी एक-एक लाख रुपये का इनाम रखा गया है। आसिफ को पहले ही प्रयागराज से गिरफ्तार किया जा चुका है। कोर्ट के आदेश पर ईओडब्ल्यू और ईडी जांच आगे बढ़ा रहे हैं। जांच एजेंसियों का दावा है कि राशिद दुबई में बैठकर पूरे नेटवर्क को संचालित कर रहा था। 2018 में नेपाल में गिरफ्तारी और जमानत के बाद वह दुबई पहुंचा था। अब उसकी गिरफ्तारी के बाद बड़े वित्तीय नेटवर्क और ठगी की रकम विदेश भेजने के चैनलों का खुलासा होने की उम्मीद है।

केजरीवाल को मिली राहत, तेजस्वी ने कहा... दिल्ली में फिर से चुनाव कराए जाएं

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना से नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव दिल्ली के लिए रवाना हुए। दिल्ली जाने से पहले तेजस्वी ने आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजीरवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को कथित शराब नीति मामले में कोर्ट से राहत मिलने पर प्रतिक्रिया दी। तेजस्वी ने कहा कि, 'इस फैसले से बीजेपी का चाल, चरित्र और चेहरा उजागर हो गया है। यह साफ हो गया है कि किस तरह विपक्षी नेताओं पर राजनीतिक दुर्भावना से मुकदमे होते हैं।' तेजस्वी ने आरोप लगाया कि, 'केंद्र संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग अपने चुनावी फायदे के लिए कर रही है। जांच एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्ष की आवाज दबाने के लिए हो रहा है।' उन्होंने मांग किया है कि दिल्ली में फिर से चुनाव कराए जाएं। तेजस्वी ने कहा कि, 'सिर्फ केजरीवाल ही नहीं, बल्कि पिता लालू यादव और राहुल गांधी के खिलाफ भी राजनीतिक साजिश के तहत कार्रवाई की गई। उन्होंने भरोसा जताया कि वे और उनकी पार्टी भी कानूनी लड़ाई मजबूती से लड़ रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि न्यायपालिका से उन्हें भी इंसाफ मिलेगा। उन्होंने कहा कि, 'लोकतंत्र में न्यायपालिका पर जनता का विश्वास सबसे बड़ा सहारा है और सच की जीत तय है।'

माफिया मुख्तार अंसारी के शूटर शोएब किदवई की गोली मारकर हत्या... बाइक सवार हमलावर फरार

बाराबंकी (एजेंसी)। बाराबंकी में माफिया मुख्तार अंसारी के शूटर शोएब किदवई उर्फ बॉबी की गोली मारकर हत्या की गई। वारदात शुक्रवार दोपहर डेढ़ बजे हुई, जब वहां कार से लखनऊ से बाराबंकी जा रहा था। तभी दो बाइक सवार बदमाश आ गए। जब तक शोएब कुछ समझ पाता, उससे पहले ही पिस्टल से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शोएब पर 15 से ज्यादा गोलियां चलाई गईं। वारदात के बाद हमलावर अयोध्या की तरफ फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल पहुंची और शोएब को अस्पताल ले आई, जहां डॉक्टरों ने शोयब को मृत घोषित किया। वारदात लखनऊ-अयोध्या हाईवे पर असेनी मोड़ के पास हुई। कार पर जगह-जगह बुलेट के निशान हैं। पुलिस ने घटनास्थल को सील किया है। फॉरेंसिक टीम मौके से साक्ष्य जुटाया है। बॉबी पर हत्या, रंगदारी और गैंगवार से जुड़े 12 मुकदमे दर्ज थे। सूत्रों के मुताबिक, मुख्तार की मौत के बाद गैंग के भीतर वर्चस्व की लड़ाई और आपसी रंजिश चल रही थी। शोएब वकील भी था। करीब 15 साल से कचहरी में वकालत कर रहा था। हत्या के विरोध में वकीलों ने पहले जिला अस्पताल में हंगामा किया। काफी देर तक जिला अस्पताल में हंगामा करने के बाद वकीलों ने बस अड्?डे के सामने सड़क पर जाम लगा दिया।

चंडीगढ़ में स्कूलों और सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। शहर में कई शिक्षण संस्थानों और पंजाब सचिवालय को बम धमाके की धमकी देने वाले ईमेल मिलने से हड़कंप मच गया। धमकी में अगले दो दिनों में बम फोड़ने की चेतावनी दी गई थी। ईमेल में प्रमुख निशाना बनाए गए स्कूल थे डीपीएस स्कूल, संत कबीर स्कूल और विवेक हाई स्कूल सेक्टर-38। धमकी मिलते ही स्कूलों के प्रशासन ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। इसके बाद पुलिस, बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंचे। स्कूल परिसरों को खाली कराया गया और आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। प्रारंभिक जांच में किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु नहीं पाई गई। पुलिस की साइबर सेल ईमेल भेजने वाले की पहचान करने में जुटी हुई है। सचिवालय परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और आने-जाने वालों की सख्ती से जांच की जा रही है। पुलिस ने आम नागरिकों और अभिभावकों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध सूचना की तुरंत पुलिस को सूचना दें। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है और अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। करीब एक महीने पहले भी शहर के लगभग 30 स्कूलों को इसी तरह धमकी ईमेल प्राप्त हुई थी।

अमेरिकी वाणिज्य सचिव अचानक पहुंचे नई दिल्ली, पीयूष गोयल के साथ की लंच मीटिंग

–बैठक का मुख्य फोकस दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करना था

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वैश्विक टैरिफ के फैसले को अमान्य घोषित किए जाने के कुछ ही दिनों बाद, अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने नई दिल्ली का अचानक दौरा किया। गुरुवार को उन्होंने भारतीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के साथ लंच पर मीटिंग की। इस बैठक का मुख्य फोकस दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करना था।

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर और मंत्री पीयूष गोयल दोनों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस मुलाकात की पुष्टि की। सर्जियो गोर ने तीनों की एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा- हॉवर्ड लुटनिक और पीयूष गोयल के साथ एक बेहद शानदार लंच। हमारे दोनों राष्ट्रों के लिए सहयोग के ढेरों क्षेत्र मौजूद हैं। पीयूष गोयल ने बताया कि उन्होंने व्यापार और आर्थिक साझेदारी को विस्तार देने के लिए बहुत ही फलदायी चर्चा की है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने कहा कि दोनों पक्षों ने अमेरिका और भारत के बीच व्यापारिक और आर्थिक संबंधों को गहरा करने के तरीकों पर

चर्चा की। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने इस पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

आधिकारिक मुलाकात के बाद लुटनिक जोधपुर के लिए रवाना हो गए। सूत्रों के मुताबिक वे वहां टेक एग्जीक्यूटिव निकेश अरोड़ा की बेटी आयशा अरोड़ा और आइस हॉकी स्टार जैक ह्यूजेस की शादी में शामिल होने गए हैं। यह बैठक भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों के लिहाज से एक बेहद नाजुक समय पर हुई है। 20 फरवरी को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट के तहत आपातकालीन शक्तियों का इस्तेमाल करके लगाए गए राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापक टैरिफ को रद्द कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने भारत और अमेरिका के बीच चल रही व्यापारिक बातचीत की पूरी समय-सीमा को बदल कर रख दिया है।

संवैधानिक मामलों के विशेषज्ञ के मुताबिक टैरिफ पर भारत-अमेरिका की कोई भी द्विपक्षीय व्यवस्था अब अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय की गई संवैधानिक सीमाओं के भीतर ही होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि टैरिफ दरों पर सहमत होने का कार्यपालिका का अधिकार निरंकुश नहीं है, यह न्यायिक रूप से लागू करने योग्य संवैधानिक सीमाओं के अधीन है। कोई भी टैरिफ प्रतिबद्धता जो वैधानिक शक्तियों को पार करती है या संवैधानिक सीमाओं का उल्लंघन करती है, वह कानूनी रूप से टिक नहीं पाएगी और उसे रद्द किया जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिकी संवैधानिक ढांचे के तहत, टैरिफ तय करने का अधिकार कांग्रेस के पास है, न कि कार्यपालिका के पास।

तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा उलटफेर, पन्नीरसेल्वम द्रमुक में शामिल

-पूर्व मुख्यमंत्री ने समर्थकों संग सीएम स्टालिन की मौजूदगी में की औपचारिक एंट्री

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। राज्य के तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके ओ पनीरसेल्वम शुक्रवार को सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) में शामिल हो गए। उन्होंने मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। पनीरसेल्वम को वर्ष 2022 में आल इंडिया अन्ना द्रविण मुनेत्रकणगम (अन्नाद्रमुक) से निष्कासित कर दिया गया था। वह दिवंगत नेता जे जयललिता के विश्वस्त सहयोगी माने जाते थे और पार्टी में लंबे समय तक अहम भूमिका निभाते रहे। अन्नाद्रमुक में दोबारा वापसी के उनके प्रयास पिछले तीन वर्षों में सफल नहीं हो सके। इसके बाद उन्होंने नई राजनीतिक दिशा चुनते हुए द्रमुक में शामिल होने का निर्णय लिया। उनके साथ उनके कई समर्थकों ने भी द्रमुक की सदस्यता ली। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पनीरसेल्वम के द्रमुक में आने से राज्य की सियासत में नए समीकरण बन सकते हैं। आगामी चुनावी रणनीतियों और गठबंधनों पर इसका प्रभाव पड़ना तय माना जा रहा है।

राजस्थान कांग्रेस की लीडरशिप देश की कांग्रेस नेतृत्व से बेहतर, राज्यवर्धन सिंह राठौर का तंज

जयपुर (एजेंसी)। राज्यवर्धन सिंह राठौर ने राजस्थान की राजधानी जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडिमय में मीडिया से बात कर कांग्रेस और राज्य सरकार के फैसलों पर तीखा बयान दिया। उन्होंने कहा कि राजस्थान कांग्रेस की लीडरशिप देश की कांग्रेस नेतृत्व से बेहतर है। उनके अनुसार यदि राजस्थान के कांग्रेस नेता राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की कमान संभाल लें, तब शायद कांग्रेस की स्थिति बेहतर हो सकती है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व कमजोर हो चुका है और इसका असर पूरे संगठन पर दिखाई देता है।

राठौड़ ने पंचायत और निकाय चुनाव में दो से अधिक बच्चों वाले उम्मीदवारों पर लगी पाबंदी हटाने के फैसले का बचाव किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह नियम करीब 30 साल पहले परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से लागू हुआ था। उनका कहना था कि उस समय जनसंख्या नियंत्रण को लेकर जागरूकता फैलाने की जरूरत थी, लेकिन अब समाज में पर्याप्त जागरूकता आ चुकी है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब देश के अन्य राज्यों में ऐसा कोई कानून लागू नहीं है, तब केवल राजस्थान में ही इस कानून को जारी रखने का औचित्य क्या है।

विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे आरोपों पर प्रतिक्रिया देकर राठौड़ ने कहा कि भजनलाल सरकार की मंशा जनसंख्या बढ़ाने की नहीं है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर ऐसा होता, तब भजनलाल सरकार तीन बच्चों वाले माता-पिता को ही चुनाव लड़ने की अनुमति देती, जिससे जनसंख्या तेजी से बढ़ती। उन्होंने विपक्षी नेताओं पर गलत बयानबाजी का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके पास ठोस मुद्दों का अभाव है। इसके अलावा उन्होंने राजस्थान में आईपीएल के मुकाबलों के आयोजन को लेकर भी सकारात्मक रुख जताया। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार ने आवश्यक कदम उठाए हैं और अन्य खेल आयोजनों की तरह आईपीएल मैचों के सफल आयोजन की पूरी संभावना है।

फिर से सत्ता में लौटने के लिए ममता ने साध लिए युवा और महिला वोटर... दो योजनाएं बनेगी चुनाव में गेंमचेंजर

कोलकत्ता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की तैयारी जोरों पर जारी है। राज्य में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ ममता बनर्जी की ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच दिख रहा है। 294 सदस्यीय विधानसभा में टीएमसी की मजबूत पकड़ है, जबकि भाजपा 77 सीटों के साथ दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है। अन्य वाम दलों और नवगठित पार्टियों का गठबंधन चुनावी समीकरण को प्रभावित कर सकता है, लेकिन असली टक्कर युवाओं और महिलाओं के वोट पर केंद्रित है।

इस लेकर ममता बनर्जी ने इस बार दो प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से राजनीतिक मोर्चा मजबूत किया है। पहली, पहले से चल रही 'लक्ष्मी भंडार' योजना, जो 2.42 करोड़ महिलाओं को आर्थिक सहायता देना है। इस योजना में मासिक सहायता 1,500 रुपये कर दी गई है, और 2021 में महिलाओं के समर्थन ने टीएमसी को निर्णायक बढ़त दिलाई थी। दूसरी, नई 'युवा साथी' योजना, जिसमें 21-40 वर्ष के बेरोजगार युवाओं को मासिक 1,500 रुपये दिए जाएंगे।

न्यूनतम योग्यता 10वीं पास है और आवेदन प्रक्रिया शुरू होने के नौ दिनों में करीब 78 लाख युवाओं ने आवेदन किया। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस आयु वर्ग के मतदाता कुल वोटरों का करीब 45 प्रतिशत हो सकते हैं, जिससे योजना चुनावी समीकरण बदल सकती है।

वहीं राज्य में सियासी मुद्दों में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) भी अहम है। भाजपा एसआईआर को अपनी रणनीति के तहत लाभकारी मानती है, जबकि ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग के द्वारा की जा रही एसआईआर प्रक्रिया को राजनीतिक साजिश बताया। उन्होंने मृत 61 लोगों के परिवारों से एक सदस्य को नौकरी देने की घोषणा कर मानवीय संदेश भी दिया। 2021 में टीएमसी को 49 प्रतिशत वोट शेयर और 213 सीटें मिली थीं, जबकि भाजपा को 38 प्रतिशत से अधिक वोट और 77 सीटें मिली थीं। इस बार भाजपा घुसपैठ और हिंदुत्व जैसे मुद्दों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है। वहीं, ममता की योजनाएं सीधे लाभ पर केंद्रित होने के कारण महिला और युवा वोटरों को आकर्षित करने की संभावना रखती हैं। कुल मिलाकर, पश्चिम बंगाल का आगामी चुनाव आर्थिक कल्याणकारी योजनाओं और वैचारिक मुद्दों के बीच बेहद रोचक और कड़ा मुकाबला साबित होने वाला है। ममता की दोहरी रणनीति–युवाओं और महिलाओं पर फोकस–भाजपा के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकती है और चुनावी समीकरण को नया आकार दे सकती है।

न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पुस्तक मामले में कांग्रेस का आरोप... इसके पीछे खुद पीएम मोदी शामिल

पीएम मोदी सिर्फ दिखावे के लिए नाराजगी दिखा रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनसीईआरटी की 8वीं के किताब में एक चैप्टर को लेकर हुए विवाद में कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमलावार है। कांग्रेस पार्टी ने आरोप लगाया है कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचारवाले मुद्दे पर पीएम मोदी बनावटी आक्रोश दिखाई हैं। कांग्रेस सांसद और उसके संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी के बाद विवाद से अलग दिखाने की कोशिश हिपोक्रेसी के अलावा कुछ भी नहीं है।

कांग्रेस नेता रमेश ने पोस्ट लिखा है, इजरायल में वास्तविक नैतिक कायरता दिखाने के बाद प्रधानमंत्री मोदी, अब एनसीईआरटी की पुस्तकों के मुद्दे पर बनावटी आक्रोश दिखा रहे हैं। साफ तौर पर डैमेज कंट्रोल की कोशिश के तहत यह संदेश दिया गया है कि वे एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकों में न्यायपालिका के चैप्टर को लेकर बहुत नाखुश हैं।

दरअसल, इस तरह संकेत मिले हैं कि प्रधानमंत्री मोदी ने (सुप्रीम कोर्ट के स्वत~संज्ञान लेने से पहले) ही कैबिनेट बैठक के दौरान एनसीईआरटी की किताब में न्यायपालिका को लेकर विवादास्पद चीजें शामिल करने पर नाराजगी जाहिर कर चुके थे। सूत्रों के अनुसार पीएम मोदी ने कहा था, आठवीं क्लास के बच्चों को सोशल साइंस के पाठ्य पुस्तक में हम क्या पढ़ा रहे हैं?

लेकिन, कांग्रेस का आरोप है कि इस पूरे घटनाक्रम को लेकर खुद प्रधानमंत्री मोदी हैं। पार्टी सांसद ने लिखा है, एक दशक से उन्होंने इसतरह के शिक्षाविदों और झोला छाप अकादमिकों के नेटवर्क की अगुवाई की है, जिन्होंने अपने विचारधारात्मक वायरस से पाठ्य पुस्तकों को संक्रमित कर गंभीर नुकसान किया है। यह कोई आकस्मिक चूक नहीं, बल्कि एक सुनियोजित वैचारिक घुसपैठ अभियान का हिस्सा है...प्रधानमंत्री मोदी स्वयं नागपुर कम्युनल इकोसिस्टम फॉर रिराइटिंग ऑफ टेक्स्टबुक्स, जो असली एनसीईआरटी है, को दिशा और आकार देते रहे हैं।

कांग्रेस नेता जयराम का कहना है, सुप्रीम कोर्ट को नाराज करने वाली पाठ्य पुस्तकों से खुद को अलग दिखाने की उनकी कोशिश सिर्फ एक हिपोक्रेसी है। अब सुप्रीम कोर्ट को अगला तार्किक कदम ये उठाना चाहिए कि वह इस बात की विस्तृत जांच करवाए कि पाठ्य पुस्तकों को किस तरह से फिर से लिखा गया और वे किस तरह ध्रुवीकरण तथा राजनीतिक हिसाब-किताब चुकाने के औजार में बदल दी गईं।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने खुद विषय पर स्वत~संज्ञान लेकर न्यायपालिका में भ्रष्टाचार वाले चैप्टर की एनसीईआरटी की आठवीं किताब को बैन किया है। भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत की अगवाई वाली बेंच ने इस विवादित किताब के किसी भी फॉर्म में सर्कुलेशन पर रोक लगा दी है और स्कूल शिक्षा सचिव और एनसीईआरटी चेयरपर्सन को नोटिस जारी कर पूछा है कि उनके खिलाफ न्यायपालिका की अवमानना की कार्रवाई क्यों न शुरू की जाए।

केरल के प्रसिद्ध अट्टुकल भगवती मंदिर में है पुरुषों का प्रवेश प्रतिबंधित

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनेक परंपराओं और विशिष्टता के कारण मंदिर भारतीय संस्कृति की विविधता और आध्यात्मिक गहराई को और अधिक रोचक बनाते हैं। इन परंपराओं का आधार न तो सामाजिक विवाद है और न ही किसी प्रकार का भेदभाव, बल्कि ये सभी रीति-रिवाज देवी-उपासना, प्रतीकात्मकता और आध्यात्मिक मान्यताओं पर आधारित हैं।

केरल का प्रसिद्ध अट्टुकल भगवती मंदिर, जिसे अक्सर महिलाओं का सबरीमाला भी कहा जाता है, इसका सबसे प्रमुख उदाहरण है। यहां हर साल आयोजित होने वाले अट्टुकल पोंगल उत्सव में लाखों महिलाएं देवी की आराधना करने के लिए एकत्र होती हैं। इस दौरान पुरुषों का प्रवेश प्रतिबंधित रहता है, क्योंकि यह अनुष्ठान देवी के उग्र, रक्षात्मक और स्त्री शक्ति के सामूहिक रूप का प्रतीक माना जाता है। इसी तरह केरल का चक्कुलाथुकावु मंदिर अपनी अनोखी नारी पूजा के लिए जाना जाता है, जहां महिलाओं को देवी का स्वरूप मानकर पूजा की जाती है और मंच पर स्त्री ऊर्जा ही प्रमुख रहती है।

राजस्थान के पुष्कर में स्थित ब्रह्मा मंदिर में भी कुछ विशेष पूजा स्थलों पर विवाहित पुरुषों का प्रवेश वर्जित है। यह परंपरा पौराणिक घटनाओं से जुड़ी है और सदियों से चली आ रही आस्था के कारण आज भी निभाई जाती है। वहीं असम का मां कामाख्या मंदिर स्त्री-शक्ति और प्रजनन क्षमता के प्रतीक के रूप में पूरे विश्व में अद्वितीय माना जाता है। अंबुबाची मेले के दौरान मंदिर तीन दिनों के लिए बंद रहता है, जिसे देवी के मासिक धर्म का संकेत माना जाता है और इस दौरान पुरुषों के प्रवेश पर भी रोक रहती है। वृंदावन का संतोषी माता मंदिर भी ऐसी ही धार्मिक मान्यता का केंद्र है, जहां कुछ अवसरों पर पुरुषों को गर्भगृह में प्रवेश नहीं दिया जाता और पूजा का पूरा महत्व महिलाओं को ही दिया जाता है।

तमिलनाडु के कुछ भगवती मंदिरों में भी विशेष अनुष्ठानों के समय पुरुषों के प्रवेश पर पारंपरिक रोक रहती है, क्योंकि यहां देवी को कुंवारी रूप में पूजा जाता है, जिसका संबंध पवित्रता और स्वतंत्र स्त्री शक्ति से है। इन मंदिरों की परंपराएं भारत की धार्मिक विविधता को दर्शाती हैं, जहां आस्था और आध्यात्मिकता का हर रंग अपनी अनूठी मान्यता के साथ मौजूद है। मालूम हो कि भारत के धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरों में जहां एक ओर कुछ मंदिरों में महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध की चर्चा होती है, वहीं दूसरी ओर देश में कई ऐसे मंदिर भी हैं जहां पुरुषों को विशेष अवसरों पर या मंदिर के कुछ हिस्सों में प्रवेश की अनुमति नहीं होती।

2007 के सफल फॉर्मूले के साथ 2027 में उतरेगी बसपा... मायावती का ब्राह्मण-दलित गठजोड़ पड़ेगा किस पर भारी

लखनऊ (एजेंसी)। साल 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए बहुजन समाज पार्टी ने अभी से तैयारी शुरु कर दी है। इतना ही नहीं बसपा ने प्रत्याशियों की घोषणा का काम भी शुरू कर दिया है। साल 2007 के चुनाव में मायावती ने जिस सोशल इंजीनियरिंग के दम पर यूपी की सत्ता में वापसी की थी, अब उसी फॉर्मूले को 2027 में फिर से करने की कोशिश कर रही है। 2007 में वह परंपरागत दलित वोटों के साथ-साथ ब्राह्मण वोटरों को लेकर मैदान में उतरीं और इस सोशल इंजीनियरिंग ने विपक्षी दलों को चुनावी रण में धूल चटा दी थी। अब मायावती उसी फॉर्मूले को फिर आजमाना चाहती है। मायावती पिछले 3 महीने में हुई सभी बैठकों में यह बात कहती रही हैं कि ब्राह्मण-दलित गठजोड़ के साथ वे 2027 के विधानसभा चुनाव में उतरेंगी और फिर से सत्ता में पूर्ण बहुमत के साथ वापसी करेंगी।

मायावती की अगुवाई वाली बहुजन समाज पार्टी ने यूपी चुनाव के लिए पहला टिकट आशीष पांडेय को दिया है। उन्हें जालौन जिले की माधौगढ़ सीट से प्रत्याशी बनाया गया। माधौगढ़ बीएसपी का गढ़ माना जाता है। पार्टी जल्द ही चुनाव के लिए कई अन्य प्रभारियों के नाम का भी ऐलान करेगी। पार्टी सूत्रों का कहना है कि बीएसपी होली के बाद कानपुर मंडल की 5 और सीटों पर प्रभारियों की घोषणा कर सकती है। चुनाव तारीख के ऐलान से पहले घोषित प्रभारियों को ही पार्टी अपना प्रत्याशी बनाती है। कहा यह भी जा रहा है कि 2027 में बसपा 80 ब्राह्मण उम्मीदवारों को मैदान में उतार सकती है। इसका ऐलान जून तक हो सकता है।

मायावती लगातार ब्राह्मण मुद्दों पर मुखर होकर बोलती रही हैं। बीते दिनों उन्होंने कहा था कि ÷यहां सोचने की असल बात यह है कि उच्च जातियों खासकर ब्राह्मण बिरादरी को जितना आदर-सम्मान, पद और सुरक्षा सभी कुछ बीएसपी प्रमुख की ओर से पार्टी और सरकार के स्तर पर दिया गया, क्या उतना कोई दूसरी पार्टी अथवा सरकार उन्हें दे पायी है?÷ साफतौर से मायावती का यह बयान ब्राह्मण समाज को जोड़ने वाला है।

बीतें दिनों चर्चा में आई फिल्म 'घूसखोर पंडत' में ब्राह्मण समाज के कथित अपमान को लेकर मायावती ने नाराजगी जताकर आलोचना की थी। साथ ही यह मांग भी की कि इस जातिसूचक फिल्म पर केंद्र सरकार की ओर से तुरंत बैन लगा देना चाहिए। मायावती ने अपने जन्मदिन पर कहा था कि ब्राह्मणों का सम्मान नहीं हो रहा है। हालांकि समाजवादी पार्टी पूरे मामले पर चुप है और 2027 का इंतजार करने की बात कह रही है।

केंद्रीय मंत्री निमुबेन बांभणिया की अध्यक्षता में बोटाद में दिव्यांगजनों के लिए सहायता कैंप लगाया गया

■ सरकार दिव्यांगों की ज़िंदगी को आसान बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। केंद्रीय मंत्री श्रीमती निमुबेन बांभणिया ■ दिव्यांगजन सहायता उपकरण वितरण कैंप के तहत लगभग 315 दिव्यांगों को 44 लाख रुपये के 629 सहायक डिवाइस बांटे गए इन्फॉर्मेशन ब्यूरो, बोटाद

पीआईबी नई दिल्ली 27 फरवरी। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री श्रीमती निमुबेन बांभणिया की अध्यक्षता में बोटाद ज़िले के ढळउ कॉलेज में दिव्यांगों को सहायता देने के लिए कैंप लगाया गया। ज़िले में दिव्यांगों के सशक्तिकरण और कल्याण के लिए एक ज़रूरी पहल के तौर पर, यह कैंप ज़िला प्रशासन, बोटाद ने एलीमको और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के उरफ फंड से लगाया था। आज इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड गुजरात राज्य (कडउछ ऋडड) की उरफ योजना के तहत दिव्यांगों के लिए मुफ्त कृत्रिम अंग और सहायक उपकरणों के वितरण के संबंध में इस कार्यक्रम में, 41 मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल, 107 ट्राइसाइकिल, 39 व्हीलचेयर, 218 बैसाखी, 58 छड़ियां, 17 सुलभ छड़ियां, 14 रोलेटर, 5 ब्रेल किट, 01 फोल्डिंग ब्रेल छड़ियां, 41 ळछट किट, 46 इळए डिजिटल श्रवण यंत्र, 42 कृत्रिम अंग और अन्य उपकरण प्रदान किए गए। इस अवसर पर, केंद्रीय मंत्री श्रीमती निमुबेन बांभणिया ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार दिव्यांगों के जीवन को आसान बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही है। देशभर में दिव्यांगों को देखने का नजरिया बदला है। लगभग एक साल पहले, दिव्यांगों के सही आकलन और जरूरतों को समझने के लिए एक आकलन शिविर का आयोजन किया गया था। दिव्यांगों की भावनाओं और ज़रूरतों को समझते हुए, सरकार दिव्यांगों को दी जाने वाली मदद को लगातार बढ़ा रही है। दिव्यांगों को दी जाने वाली सहायता पहले के मुकाबले लगभग तीन गुना बढ़ा दी गई है। आगे उन्होंने बताया कि इस सहायक उपकरण वितरण कैंप में 315 दिव्यांगों को 44,38,717/- रुपये के 629 सहायक उपकरण बांटे गए। टछअ महंत श्री शंभूभाई टुंडिया ने संबंधित भाषण देते हुए कहा कि बोटाद ज़िले के दिव्यांगों को दी जाने वाली मदद उनकी ज़िंदगी को आसान बनाने में बहुत कल्याणकारी साबित होगी। आज के कार्यक्रम की शुरुआत मेहमानों ने दीप जलाकर की। मेहमानों का स्वागत गुलदस्ता देकर किया गया। डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट ऑफिसर श्री अक्षय बुडानिया ने मेहमानों का मौखिक स्वागत किया। जिला पंचायत प्रेसिडेंट जेठीबेन परमार, प्रांत \ ऑफिसर श्री आरती गोस्वामी, कडउछ के जनरल मैनेजर श्री एस.जे. जाड़ेजा समेत बड़ी संख्या में दिव्यांग भाई-बहन मौजूद थे। इस कार्यक्रम में अछक्टउड के मैनेजर श्री मृदुल अवस्थी, प्रमुख श्री मयूरभाई पटेल, श्री पालजीभाई, श्री सुखदेवजी धमालिया मौजूद थे।

नेटफ्लिक्स की बोली ठुकराई, पैरामाउंट ने वार्नर ब्रदर्स अधिग्रहण में बढ़त बनाई

न्यूयॉर्क ।

नेटफ्लिक्स ने वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के स्टूडियो और स्ट्रीमिंग व्यवसाय को खरीदने के लिए अपनी नई बोली बढ़ाने से इनकार कर दिया। कंपनी ने कहा कि नई कीमत आर्थिक रूप से आकर्षक नहीं रह जाएगी। इससे पैरामाउंट को अधिग्रहण में स्पष्ट बढ़त मिल गई। स्काइडांस के स्वामित्व वाली पैरामाउंट ने पूरी कंपनी के लिए अपनी बोली बढ़ाकर प्रति शेयर 31 अमेरिकी डॉलर कर दी। साथ ही कंपनी ने सात अरब डॉलर की नियामक समाप्ति शुल्क पर भी सहमति जताई। पैरामाउंट अपने प्रस्ताव को पूरा करने के लिए अरबों डॉलर का कर्ज लेगा। वार्नर ब्रदर्स के निदेशक मंडल ने इसे 'कंपनी के लिए श्रेष्ठ प्रस्ताव' करार दिया।

नेटफ्लिक्स के विपरीत, पैरामाउंट वार्नर के सभी संचालन खरीदना चाहता है, जिसमें सीएनएन और डिस्कवरी जैसे नेटवर्क शामिल हैं। इससे सीएनएन का संयोजन पैरामाउंट के सीबीएस के साथ होगा और हॉलीवुड के प्रमुख स्टूडियो में दो का विलय होगा। पहले वार्नर महीनों तक नेटफ्लिक्स के प्रस्ताव का समर्थन कर रहा था। लेकिन जब पैरामाउंट ने पूरी कंपनी के लिए प्रतिस्पर्धी बोली और अन्य संशोधन पेश किए, तो निदेशक मंडल ने अपनी राय बदल दी। इसका मुख्य आधार यह था कि किस प्रस्ताव से शेयरधारकों को अधिक मूल्य मिलेगा और नियामक मंजूरी मिलने की संभावना बेहतर है।

अमेरिका-ईरान तनाव से तेल के 110 डॉलर तक पहुंचने की आशंका

- पश्चिम एशिया में सैन्य गतिविधियां बढ़ने से सप्लाई पर पड़ सकता है असर

नई दिल्ली । अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक तेल बाजार में हलचल मचा दी है। अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क बैंट क्रूड की कीमतें हाल के दिनों में करीब 10 प्रतिशत बढ़ चुकी हैं। विश्लेषकों का मानना है कि यदि हालात और बिगड़ते हैं तो ब्रेंट कच्चा तेल 110 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकता है, जो मौजूदा स्तर से लगभग 57 प्रतिशत अधिक होगा। विशेषज्ञों के अनुसार सबसे बड़ा जोखिम स्ट्रेट आफ हारमुज से जुड़ा है। यह समुद्री मार्ग वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रतिदिन लगभग 20 मिलियन बैरल कच्चा तेल और पेट्रोलियम उत्पाद इसी रास्ते से गुजरते हैं। साथ ही दुनिया की करीब 20 प्रतिशत गैस सप्लाई भी इसी मार्ग पर निर्भर है। यदि किसी सैन्य टकराव या अवरोध के कारण यहां से आपूर्ति बाधित होती है, तो तेल कीमतों में 20 से 40 डॉलर प्रति बैरल तक का अतिरिक्त जोखिम प्रीमियम जुड़ सकता है। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि तनाव गहराने पर कीमतें 95 से 110 डॉलर प्रति बैरल या उससे ऊपर जा सकती हैं। फिलहाल फरवरी में ब्रेंट लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है और हाल ही में यह 72 डॉलर तक पहुंचा था। निवेशकों और कारोबारियों में आशंका है कि पश्चिम एशिया में सैन्य गतिविधियां बढ़ने से सप्लाई पर असर पड़ सकता है। हालांकि अगर अमेरिका और ईरान के बीच कूटनीतिक समाधान निकलता है और किसी प्रकार की सैन्य कार्रवाई नहीं होती, तो कीमतों में तेजी सीमित रह सकती है। ऐसे परिदृश्य में ब्रेंट फिर से 60 डॉलर के निचले स्तर तक आ सकता है। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर मौजूद अतिरिक्त उत्पादन क्षमता भी संभावित आपूर्ति झटकों को संतुलित कर सकती है।

भारत स्मार्टफोन उत्पादन बढ़ाने नई पीएलआई योजना पर कर रहा है विचार

इस बार वित्तीय प्रोत्साहन मुख्य रूप से घरेलू मूल्यवर्धन से जोड़ा जाएगा

नई दिल्ली ।

भारत सरकार स्मार्टफोन निर्माण को बढ़ावा देने के लिए एक नई उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना लाने पर विचार कर रही है। मौजूदा योजना 31 मार्च को समाप्त हो रही है। इस बार वित्तीय प्रोत्साहन मुख्य रूप से घरेलू मूल्यवर्धन से जोड़ा जाएगा, जिससे स्थानीय विनिर्माण और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूती मिलेगी। 2020 में शुरू हुई पांच साल की मौजूदा पीएलआई योजना के तहत कंपनियों को वृद्धिशील निवेश और उत्पादन मूल्य लक्ष्य पूरा करने पर 4-6 फीसदी तक प्रोत्साहन मिलता रहा। हालांकि निर्यात और प्रत्यक्ष रोजगार पर नजर रखी जाती रही, पर इन्हें अनिवार्य नहीं माना गया। योजना का कुल बजट 34,193 करोड़ रुपये था, लेकिन वास्तविक भुगतान लगभग 20,000 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। ऐपल के आपूर्तिकर्ता टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और फॉक्सकॉन, साथ ही सैमसंग और डिक्सन टेक्नॉलजीज (इंडिया) इसका बड़ा हिस्सा प्राप्त करेंगे। सरकार को उम्मीद थी कि घरेल मल्यवर्धन वित्त वर्ष 2026 तक 35-40 फीसदी तक बढ़ेगा, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार यह केवल 18-20 फीसदी रह सकता है। 2020 में गलवान सीमा विवाद और प्रेस नोट 3 लागू होने के बाद चीन से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर रोक लग गई, जिससे चीन की कलपुर्जा कंपनियों का भारत में प्रवेश प्रभावित हुआ। इसके परिणामस्वरूप ऐपल ने चीन आधारित आपूर्तिकर्ताओं को भारत लाने की योजना छोड़ दी और स्थानीय व दूसरे देशों की कंपनियों के साथ आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने का विकल्प चुना। ऐपल ने अब भारत में लगभग 40 कंपनियों के साथ आपूर्ति श्रृंखला बनाई है। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय का मानना है कि नई पीएलआई योजना से न सिर्फ भारत आत्मनिर्भर होगा, बल्कि इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जा के क्षेत्र में बड़ा निर्यातक भी बनेगा। सरकार ने पहले ही एक बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स कलपुर्जा विनिर्माण योजना शुरू कर दी है ताकि स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला मजबूत हो।

लॉरस लैब्स के शेयर में तेजी, वित्तीय और परिचालन प्रदर्शन मजबूत

पिछले दो कारोबारी सत्रों में शेयर की कीमत में 8 फीसदी का उछाल

नई दिल्ली ।

ठेके पर दवा निर्माण और जेनेरिक दवाओं की प्रमुख कंपनी लॉरस लैब्स के शेयरों ने गुरुवार को बीएसई पर करीब 3 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की और 1,103.35 रुपये के उच्चतम स्तर को छू लिया। पिछले दो कारोबारी सत्रों में इस शेयर की कीमत में कुल 8 फीसदी का उछाल आया है। सत्र के अंत में यह 1,092 रुपये पर बंद हुआ, जो 1.52 फीसदी की बढ़त दर्शाता है। पिछले छह महीनों में शेयर ने बाजार औसत से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 26 फीसदी की वृद्धि की, जबकि बीएसई सेंसेक्स में केवल 2 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। पिछले एक साल में शेयर में 101.5 फीसदी की तेजी रही, जबकि बेंचमार्क इंडेक्स में केवल 10.2 फीसदी की वद्धि। दिसंबर तिमाही में लॉरस लैब्स ने राजस्व में 26 फीसदी की बढ़ोतरी कर 1,778 करोड़ रुपये का आंकड़ा छुआ। सकल मार्जिन लगभग 60 फीसदी रहा और परिचालन लाभ मार्जिन में 27 फीसदी से थोड़ी अधिक बढ़ोतरी हुई। कंपनी ने यह प्रदर्शन मुख्य रूप से अपने जेनेरिक कारोबार और सीडीएमओ प्रोग्राम के मजबूत प्रदर्शन के जरिए हासिल किया। भले ही सीडीएमओ कारोबार में कुछ मंदी रही हो, फिर भी विकसित बाजारों में एंटीरेट्रोवायरल दवाओं की बढ़ी हुई मांग और चुनिंदा मॉलिक्युल की मजबूत मांग ने मार्जिन को स्थिर रखा। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के विश्लेषकों के अनुसार, वित्त वर्ष 2028 तक सीडीएमओ का योगदान 16 फीसदी से बढ़कर 32 फीसदी होने का अनुमान है।` वित्त वर्ष 2022-26 में कंपनी के कुल 3,900 करोड़ रुपये के पूंजीगत खर्च का लगभग 75 फीसदी ऐक्टिव फार्मा और सीडीएमओ पर किया गया।

कोलकाता में हिली धरती, लोग घर और आफिस से बाहर भागे

-भूकंप की तीव्रता 4.9 मापी गई, इसके झटके बांग्लादेश तक महसूस किए गए

कोलकाता, (ईएमएस)। कोलकाता में भूकंप के झटके लगे। यह भूकंप दोपहर 1:22 मिनट पर आया। इसकी तीव्रता काफी ज्यादा बताई जा रही है। शुरुआती रिपोर्ट में बताया गया है कि रिएक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.9 मापी गई। एक कार्यक्रम में केंद्रीय मेंत्री सुकांत मजूमदार मंच पर थे। तभी भूकंप का उन्हें झटका लगा। वह स्तब्ध रह गए। भूकंप के झटके भारत समेत बांग्लादेश में भी महसूस किए गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शुक्रवार को कोलकाता और आस-पास के इलाकों में 5.0 मैग्नीट्यूड के भूकंप के झटके लगे। भूकंप का सेंटर बांग्लादेश में खुलना से 26 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में था। रिएक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 4.9 बताई गई है। भारत और बांग्लादेश की सीमा पर भूकंप के झटकों का काफी ज्यादा तीव्रता से महसूस किया गया। दिन में आए भूकंप से लोग दहशत में आ गए। कोलकाता में ऊंची बिल्डिंग से लोग बाहर निकल आए। घरों में दीवारों और छत से टंगी चीजें हिलने लगीं। ऑफिसों में इस वक्त पर ज्यादा लोग लंच की तैयारी में थे। तभी भूकंप के झटकों ने उन्हें डरा दिया। लोग नीचे और खुली जगह की तरफ भागे। बता दें पिछले दो महीने में यह तीसरी बार है कि कोलकाता में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। एक कांग्रेस नेता ने वीडियो साझा करके लिखा कि कोलकाता में 1 मिनट तक चले भूकंप के बाद लोग अपने घरों और ऑफिस से बाहर आ गए। यह इतना लंबा था कि सभी में लोगों में घबराहट है। कई सालों में कोलकाता में आया सबसे शक्तिशाली भूकंप था। निश्चित रूप से रिक्टर स्केल पर 6+ जैसा महसूस हुआ, हालांकि बाद में रिएक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 4.9 ही आंकी गई।

Adv. for applicant: A.B .Makwana
Next date:17/03/2026

PUBLIC NOTICE

IN THE COURT OF THE HON'BLE CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION, DIU, AT: DIU.

CNR-UTDD02-000128 -2026
C. M. A. No. 79 /2026

1. Iswar Shantilal Makwana & Anr. .... Applicant/s

Vs

The Civil Registrar Diu. .... Opponent/s

The public at large to take note that applicants above named have filed application for rectification of their marriage records under Article 3 read with article 97 & 98 of Portuguese Civil Registration Code.

Whereas they intendant to rectify the date of marriage / their names / their parents names previously registered in the record of marriage kept and preserved by Civil Registrar Office, Diu, against Marriage **Entry No.509 ,dated: 17/08/2016**

Therefore, if anybody has any objection for rectification of the marriage record of Civil Registrar Diu, shall appear either in person or through advocate and file written objection within 30 days of publication of this notice. If objection of whatsoever nature is not registered before this Hon'ble Court then necessary order will be passed and objection if any raised afterwards shall not be considered.

Place: Diu.
Date: 26/02/2026

CIVIL JUDGE, S.D., COURT DIU

By Order
A.S. / Superintendent,
Diu

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM PATEL DEVENDRAKUMAR MANUBHAI TO DEVENDRABHAI MANUBHAI PATEL AS PER DOCUMENT

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY OLD NAME FROM ARCHIT CHINTANBHAI SONERA **TO NEW NAME ARCHIT SONERA** & I WILL BE KNOWN AS NEW NAME WHICH PLEASE NOTE. **SD : ARCHIT SONERA ADDRESS:-** G-405, PRAMUKH GARDENS, OPP YOGI HOSPITAL, AMLI, SILVASSA, U. T. OF DADRA AND NAGAR HAVELI

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY OLD NAME FROM SONERA TVISHA CHINTANBHAI TO **NEW NAME TVISHA SONERA** & I WILL BE KNOWN AS NEW NAME WHICH **PLEASE NOTE. SD : TVISHA SONERA ADDRESS:-** G-405, PRAMUKH GARDENS, OPP YOGI HOSPITAL, AMLI, SILVASSA, U. T. OF DADRA AND NAGAR HAVELI

रमन की विरासत और नारी नेतृत्वः विकसित भारत का वैज्ञानिक युग

योगेश कुमार गोयल

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का सबसे बड़ा उद्देश्य लोगों को हमारे दैनिक जीवन में विभिन्न वैज्ञानिक आविष्कारों की महत्ता से परिचित कराना होता है, इसके अलावा वैज्ञानिक सोच रखने वाले लोगों को अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें उनके कार्य के लिए प्रोत्साहित करना भी इसका अहम उद्देश्य है। विज्ञान के विकास के लिए नई तकनीकों को लागू कर विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने जैसे उद्देश्य राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के आयोजन में निहित हैं।

सपनों को हकीकत में बदलने की कुंजी है विज्ञान... मानव जीवन को विज्ञान ने आज बेहद आसान और सुविधाजनक बना दिया है। युवाओं की विज्ञान के प्रति आज के समय में कितनी रूचि है, इसी पर देश का भविष्य निर्भर करता है। युवाओं के साथ-साथ समाज के प्रत्येक वर्ग के दिलोदिमाग में विज्ञान के प्रति अधिकाधिक रूचि जागृत करने के लिए ही प्रतिवर्ष 28 फरवरी को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' मनाया जाता है। दरअसल इस दिवस के जरिये बच्चों को विज्ञान को बतौर कैरियर चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है ताकि देश की आने वाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना उल्लेखनीय योगदान दे सके और देश प्रगति के मार्ग पर निरन्तर अग्रसर रहे। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार के लिए राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा भारत में 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में नामित करने के लिए वर्ष 1986 में भारत सरकार को कहा गया था और सरकार द्वारा इसे स्वीकृति प्रदान किए जाने के बाद से 28 फरवरी 1987 से प्रतिवर्ष इसी दिन भारतीय विज्ञान के क्षेत्र में एक महान कार्यक्रम के रूप में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता रहा है। यह दिवस भारत के महान् वैज्ञानिक भौतिक शास्त्री सर सी. वी. रमन की खोज 'रमन प्रभाव' को सदैव याद रखने और विश्व पटल पर विज्ञान के क्षेत्र में भारत का नाम रोशन करने वाले इस वैज्ञानिक को सम्मान देने के लिए उनकी स्मृति में मनाया जाता है। दरअसल सर सी वी रमन भौतिकी विज्ञान के क्षेत्र में पहले ऐसे भारतीय थे, जिन्होंने भारत में ऐसे आविष्कार पर शोध किया था।

पश्चिम बंगाल के कोलकाता में इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस में 1907 से 1933 तक सर चन्द्रशेखर वेंकट रमन ने कार्य किया था। उस दौरान उन्होंने भौतिकी के कई बिन्दुओं पर शोध किया था, जिसमें से 'रमन प्रभाव' (प्रकाश के फैलने पर प्रभाव, जब विभिन्न वस्तुओं के द्वारा उसे गुजारा जाता है) उनकी महान सफलता और खोज बनी, जो न केवल विज्ञान जगत में लोकप्रिय हुआ बल्कि पूरी दुनिया ने उनकी इस खोज को सराहा। सर सी वी रमन की यह खोज 28 फरवरी 1928 को दुनिया के सामने आई थी, जिसके बाद पूरी दुनिया में उनकी इस खोज ने तहलका मचा दिया था। उनके इसी बड़े आविष्कार के लिए वर्ष 1930 में उन्हें भौतिकी के क्षेत्र में दुनिया का सबसे बड़ा

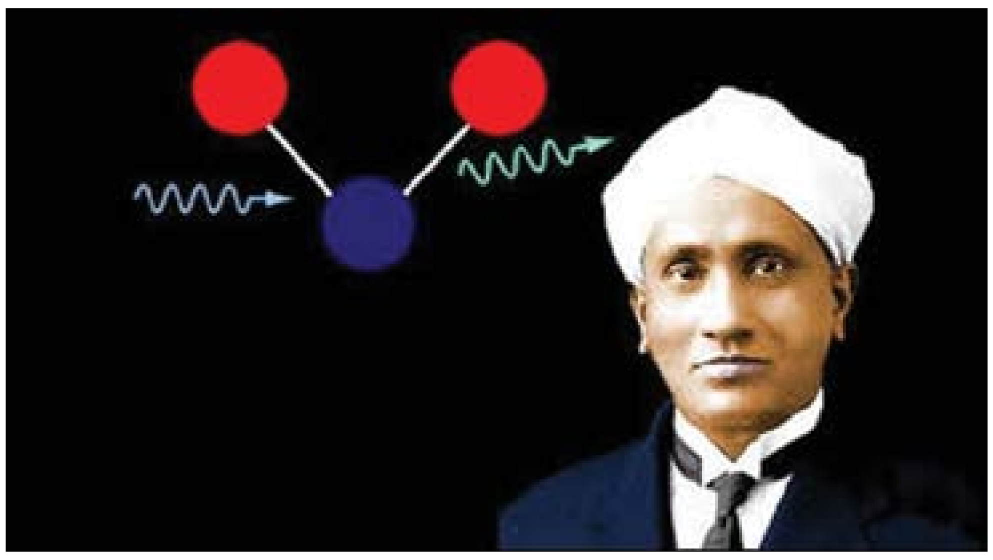

माना जाने वाला 'नोबेल पुरस्कार' दिया गया था। वे एशिया के ऐसे पहले व्यक्ति थे, जिन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित होने का गौरव हासिल हुआ था। 'रमन प्रभाव' खोज के लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार के अलावा भी अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने के पश्चात् भारत लौटने पर उन्होंने कहा था कि मेरे जैसे न जाने कितने ही रमन सुविधाओं और अवसरों के अभाव में यूं ही अपनी प्रतिभा गंवा देते हैं, जिससे केवल उनका ही नहीं बल्कि पूरे भारतवर्ष का नुकसान है, जिसे हमें रोकना होगा।' वर्ष 2013 से अमेरिकन केमिकल सोसायटी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय ऐतिहासिक केमिकल लैंडमार्क के रूप में 'रमन प्रभाव' को नामित किया गया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस प्रतिवर्ष एक निर्धारित थीम के तहत मनाया जाता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 का विषय है 'विज्ञान में महिलाएंः विकसित भारत को उत्प्रेरित करना'। 2023 से 2025 तक राष्ट्रीय विज्ञान दिवस क्रमशः 'वैश्विक भलाई के लिए वैश्विक विज्ञान', 'विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीक' और 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना' थीम के साथ मनाया गया था। वर्ष 2022 की थीम थी 'सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण' और वर्ष 2021 की थीम थी 'एसटीआई का भविष्य : शिक्षा कौशल और कार्य का प्रभाव'। एसटीअई का अर्थ है साइंस, टैक्नोलॉजी एंड इनोवेशन। यह विषय शिक्षा कौशल और कार्य पर विज्ञान, प्रोद्योगिकी और नवाचार (एसटीअई) के भविष्य में पड़ने वाले प्रभाव पर प्रकाश डालता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की वर्ष 1999 से लेकर अब तक की थीम पर नजर डालें तो वर्ष 1999 का विषय था 'हमारी बदलती धरती'। वर्ष 2000 का विषय था 'मूल विज्ञान में रूचि उत्पन्न करना, 2001 का 'विज्ञान शिक्षा के लिए सूचना तकनीक', 2002 का 'पश्चिम से धन', 2003 का 'जीवन की रूपरेखा : 50 साल का डीएनए और 25 वर्ष का आईवीएफ', 2004 का 'समुदाय में वैज्ञानिक जागरूकता को बढ़ावा देना', 2005 का 'भौतिकी को मानना', 2006 का 'हमारे भविष्य के लिए प्रकृति की परवरिश करें', 2007 का 'प्रति द्रव्य पर ज्यादा फसल', 2008 का 'पृथ्वी ग्रह को समझना', 2009 का 'विज्ञान की सीमा को बढ़ाना', 2010 का 'दीर्घकालिक विकास के लिए लैंगिक समानता, विज्ञान और तकनीक, 2011 का ह्यदैनिक जीवन में रसायन', 2012 का 'स्वच्छ ऊर्जा विकल्प और परमाणु सुरक्षा', 2013 का 'अनुवांशिक संशोधित फसल और खाद्य सुरक्षा', 2014 का 'वैज्ञानिक मनोवृत्ति को प्रोत्साहित करना', 2015 का 'राष्ट्र निर्माण के लिए विज्ञान', 2016 का 'देश के विकास के लिए वैज्ञानिक मुद्दों पर सार्वजनिक प्रशंसा बढ़ाने के लक्ष्य', 2017 का 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकलांग व्यक्तियों के लिए', 2018 का 'एक सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी' तथा वर्ष 2019 का राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का विषय 'लोगों के लिए विज्ञान और विज्ञान के लिए लोग' था। देश में अन्य क्षेत्रों के अलावा विज्ञान के क्षेत्र में भी महिलाओं के योगदान के मद्देनजर उन्हें सम्मान देने के उद्देश्य से 2020 में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की थीम रखी गई 'विज्ञान के क्षेत्र में महिलाएं' (वूमेन इन साइंस)।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का सबसे बड़ा उद्देश्य लोगों को हमारे दैनिक जीवन में विभिन्न वैज्ञानिक आविष्कारों की महत्ता से परिचित कराना होता है, इसके अलावा वैज्ञानिक सोच रखने वाले लोगों को अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें उनके कार्य के लिए प्रोत्साहित करना भी इसका अहम उद्देश्य है। विज्ञान के विकास के लिए नई तकनीकों को लागू कर विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने जैसे उद्देश्य राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के आयोजन में निहित हैं। विज्ञान के जरिये ही वैज्ञानिकों ने नई-नई तरह की तकनीकों का आविष्कार किया है और वैज्ञानिकों ने इन खोजों के जरिये मानव जीवन को बहुत बेहतर बना दिया है। इसी विज्ञान के जरिये हम रोबोट, कम्प्यूटर इत्यादि बनाने में सफलता प्राप्त करने के अलावा अंतरिक्ष तक में पहुंच गए हैं और असंभव दिखने वाले कार्यों को भी विज्ञान की मदद से ही संभव बनाते रहे हैं। विज्ञान की मदद से ही बनाई गई प्रतिदिन बहुत सारी तकनीकों और वस्तुओं का इस्तेमाल हम अपने दैनिक क्रियाकलापों में करते भी हैं। ऐसे में हम सभी के लिए हमारे जीवन में विज्ञान के महत्व को समझना बेहद जरूरी है। हमारा समाज 21वीं सदी में जिस प्रकार अंधविश्वासों के साये में जीता है, ऐसे में विज्ञान की महत्ता समझते हुए समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करते हुए इन अंधविश्वासों के निर्मूलन की जिम्मेदार हम सबकी है।

संपादकीय

सुप्रीम संवेदनशीलता

भारतीय समाज में किसी भी तरह की हिंसा से पीड़ित महिलाओं के लिये न्याय पाने की प्रक्रिया में न्यायिक तंत्र की विसंगतियों से जूझना कष्टप्रद रहा है। समाज में सोच रही है कि पहले ही हिंसा का शिकार हुई स्त्री द्वारा अपनी आपबीती को बार-बार दोहराना पुनः उसी यंत्रणा से गुजरना जैसा होता है। उसकी अभिव्यक्ति की गोपनीयता व पहचान सुरक्षित रखने की भी जरूरत महसूस की जाती रही है। विडंबना यह भी रही है कि अक्सर स्त्री के खिलाफ हुई हिंसा से जुड़े मामले में सामाजिक धारणाओं पर पितृसत्तात्मक सोच वाली मानसिकता का वर्चस्व रहता है। निर्विवाद रूप से हर तरफ से हारा-हताश व्यक्ति न्याय की चौखट पर अंतिम सहारे के रूप में जाता है। लेकिन कई बार देखने में आया है कि स्त्री के विरुद्ध हुए अपराध के मुकदमे के दौरान टिप्पणियों व फैसले पर पूर्वाग्रहों का असर नजर आता है, जिसे पहले से पीड़ित स्त्री के कष्ट में इजाफा ही होता है। कहा जाता है कि इस प्रक्रिया में यदा-कदा संवेदनशीलता व करुणा का भाव नदारद पाया गया। यही वजह है कि समय-समय पर शीर्ष अदालत ने न्यायाधीशों के निर्णयों को रूढ़िवादिता के प्रभाव से मुक्त करने के लिये प्रयास किए हैं। इसी आलोक में पिछले दिनों देश की शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी को यौन हिंसा व स्त्री से जुड़े अन्य अपराधों के परिप्रेक्ष्य में जजों तथा न्यायिक प्रक्रिया से जुड़े लोगों के लिए संवेदनशीलता तथा करुणा विकसित करने की पहल की है। दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं। निस्संदेह, इस संवेदनशील पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। स्पष्ट है कि सुप्रीम कोर्ट का यह प्रयास भविष्य में नई लीक बनाएगा, जिसमें न्यायाधीश स्त्री के विरुद्ध यौन हिंसा व अन्य अपराधों के मामलों में संवेदनशीलता के साथ सुनवाई कर सकेंगे। इसके साथ ही संभव हो सकेगा कि उनके फैसलों पर किसी सामाजिक भेदभाव की धारणा व पूर्वाग्रह का असर नजर न आए। निस्संदेह, इस प्रयास से न्याय को अधिक मानवीय व संवेदनशील बनाने में मदद मिल सकेगी। विगत में भी इस दृष्टिकोण की कमी न्यायिक प्रक्रिया में महसूस की जाती रही है।

चिंतन-मनन

इसलिए सबसे छोटा है कलियुग

शास्त्रों में सृष्टि के आरंभ से प्रलय काल तक की अवधि को चार युगों में बांटा गया है। वर्तमान में हम जिस युग में जी रहे हैं उसे कलयुग कहा गया है। इससे पहले तीन युग बीत चुके हैं सतयुग, त्रेता और द्वापर। भगवान श्री राम का जन्म त्रेतायुग में हुआ था और द्वापर में भगवान श्री कृष्ण का। कलियुग के अंत में भगवान कलकि अवतार लेंगे और संसार में फैले पाप और अन्याय के साम्राज्य का अंत करके पुन? धर्म की स्थापना करेंगे। भगवान ने चारों युगों में सबसे कम उम्र कलियुग को प्रदान किया है। शास्त्रों में सतयुग की अवधि 17 लाख 28 हजार वर्ष बतायी गयी है और त्रेता की अवधि 12 लाख 28 हजार। द्वापर युग की अवधि 8 लाख 64 हजार है जो त्रेता से लगभग 4 लाख वर्ष कम है। कलियुग की अवधि द्वापर से ठीक आधी, यानी 4 लाख 32 हजार है।

सतयुग से कलयुग तक सभी युगों की अवधि छोटी होती गयी है। इसका कारण यह है कि, भगवान बताना चाहते हैं, जो जितना पापी होगा उसकी उम्र उतनी कम होगी। भविष्य पुराण सहित कई शास्त्रों एवं पुराणों में बताया गया है कि कलियुग में पाप की पराकाष्ठा होगी। मनुष्य का व्यवहार सृष्टि के नियम के विरूद्ध होता जाएगा। हिंसा में मनुष्य पशुओं को भी पीछे छोड़ देगा। पशु तो सिर्फ अपनी भूख मिटाने के लिए दूसरे पशु को मारते हैं मनुष्य अकारण ही दूसरे मनुष्य को मारेगा। सच्चे संत भिखारी कहलाएंगे और अपमानित होंगे। कथावाचक और झूठे संत ऊंचे आसन पर विराजमान होंगे। तुलसीदास जी ने भी कलियुग के इस रूप का वर्णन किया है।

त्रेतायुग में रावण ने सीता का हरण किया लेकिन उनकी मर्जी के बिना उन्हें अपनाना पाप समझा। इस युग में छोटा भाई बड़े भाई के प्रति आज्ञाकारी था। बड़ा भाई अपने स्वार्थ के लिए छोटे भाई के साथ छल नहीं करता था। इसका उदाहरण राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न ये चार भाई हैं। त्रेता से जब द्वापर में आते हैं तब पाप बढ़ता दिखता है। द्वापर युग में देवर अपनी भाभी को बीच सभा में नग्न करने की कोशिश करता है जिसका उदाहरण द्रौपदी चीर हरण की घटना है। राजा अपनी शक्ति के मद में अबला स्त्री को हवस का शिकार बनाना चाहता है। इसका उदाहरण जयद्रथ द्वारा द्रौपदी हरण और दुर्योधन द्वारा भीलों की कन्या का हरण करने की घटना है। भाई अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए पूरे परिवार को युद्ध की आग में झोंक देता है इसका उदाहरण महाभारत युद्ध है। लेकिन कलियुग में आये दिन भाई-भाई, बाप-बेटे में स्वार्थ की पूर्ति के लिए लड़ाई होती है। लोगों की काम-वासना इतनी बढ़ गयी है कि आये दिन स्त्रियों का हरण होता है और उन्हें अपमानित किया जाता है। पाप आचरण से भरा हुआ कलियुग अगर अधिक दिनों का होगा तो सृष्टि में हाहाकार मच जाएगा। यही कारण है कि भगवान ने कलियुग को सबसे कम उम्र दिया।

शांति से डिगती दुनिया पहुंची युद्ध के मुहाने पर

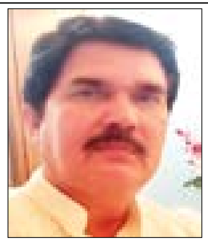

डॉ हिदायत अहमद खान

आज का वैश्विक परिदृश्य अस्थिरता और संघर्ष के संकटों से जूझता हुआ नजर आ रहा है। रुस और यूक्रेन के बीच लगातार जारी तनाव, इजराइल और हमास के बीच गाजा में संघर्ष, सीरिया संघर्ष, ईरान पर अमेरिकी हमले की आशंका, और अब पाकिस्तान एवं अफगानिस्तान के बीच सीमा पर सैन्य टकराव ने स्पष्ट कर दिया है कि दुनिया युद्ध के मुहाने पर खड़ी है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच डूरंड लाइन पर लगातार बढ़ते तनाव ने स्थिति को सीधे सैन्य संघर्ष में तब्दील कर दिया है। वैसे पाकिस्तान इन दिनों अशांति के चरम दौर से गुजर रहा है, ऐसे में उसका अफगानिस्तान से सीधा टक्कर लेना किसी बड़े झमेले में फंसने से कम नहीं है। तालिबान पर तरह-तरह के आरोप लगाकर एयरस्ट्राइक कर अपनी पीठ थपथपाने के बाद जो तस्वीर सामने आ रही है वह न सिर्फ चिंता में डालने वाली है बल्कि इंसानियत के नाते भयावह भी है। दरअसल पाकिस्तान को जवाब देते हुए अफगान सेना ने दावा किया है कि पाकिस्तानी चौकियों पर कब्जा कर 55 सैनिकों को मार गिराया और कई को बंदी बना लिया गया है। वहीं पाकिस्तान ने काबुल, कंधार और पक्तिका में हवाई हमले कर 130 से अधिक अफगान लड़ाकों को ढेर करने का दावा किया है। इससे पहले अफगानिस्तान कह चुका है कि पाकिस्तान ने आम नागरिकों को निशाना बनाया है, जिसमें मौतें भी हुई हैं। वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान ने 'ऑपरेशन गजब लिल हक' के तहत तालिबान ठिकानों और चौकियों पर बमबारी की, जबकि अफगान प्रवक्ता ने पाकिस्तानी चौकियों और ब्रिगेड मुख्यालयों को निशाना बनाने का दावा किया। इस सैन्य संघर्ष में आम नागरिकों की जान पर सबसे ज्यादा खतरा मंडरा रहा है। शरणार्थी शिविरों पर मिसाइल हमलों से महिलाओं और बच्चों सहित दर्जनों घायल और मृत हुए हैं। दरअसल इस पूरे विवाद की जड़ 2,611 किलोमीटर लंबी डूरंड लाइन है, जिसे अफगानिस्तान कभी मान्यता नहीं देता। टीटीपी की गतिविधियाँ और मध्यस्थता के टूटने से सीमा पर हालात और नाजुक हो गए हैं। ऐसे समय में पाकिस्तान द्वारा भारत को इस संघर्ष में घसीटने की कोशिश ने क्षेत्रीय तनाव को और बढ़ा दिया है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने तालिबान को भारत का 'प्रॉक्सी' करार देते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं, जबकि कई विश्लेषक इसे आंतरिक असफलताओं और सीमा पर नियंत्रण खोने का ध्यान भटकाने वाला कदम मान रहे हैं। दक्षिण एशिया में यह तनाव वैश्विक शांति के लिए भी चिंता का विषय है। अगर यह संघर्ष और बढ़ा, तो क्षेत्रीय अस्थिरता और मानवीय संकट गहरा सकता है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच टकराव न केवल स्थानीय लोगों की सुरक्षा के लिए खतरनाक है, बल्कि वैश्विक तेल, वाणिज्य और निवेश पर भी असर डाल सकता है। आखिर यह कैसे भुलाया जा सकता है भारत की सीमा से लगे अधिकांश देशों में हिंसा बढ़ी है, जेन-जी क्रांति ने नेपाल और ढाका में तो सत्ता पलटने का काम भी किया है, ऐसे में पाकिस्तान और अफगानिस्तान का संघर्ष वाकई बड़ी चिंता पैदा करने वाला है। इसलिए वैश्विक स्तर पर शांति स्थापित करने के लिए कूटनीतिक प्रयासों का महत्व बढ़ गया है। बताया जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने भरोसेमंद सहयोगियों जेरेड कुश्नर और स्टीव विटकॉफ को मध्यस्थता के लिए नियुक्त किया है। उन्होंने जिनेवा में ईरान, यूक्रेन और गाजा से संबंधित कई उच्चस्तरीय वार्ता की। ईरानी परमाणु समझौते और अमेरिका-इजराइल संभावित हमलों को टालने के प्रयासों के अलावा, यूक्रेन-रूस संघर्ष में भी संवाद का रास्ता खोलने की कोशिश की गई। कुश्नर और विटकॉफ की सक्रियता यह दशार्ती है कि कूटनीति केवल सरकारी संस्थानों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि व्यक्तिगत और व्यावसायिक नेटवर्क भी संकट समाधान में भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि, इन प्रयासों में कई चुनौतियाँ हैं। गाजा, अफगानिस्तान और यूक्रेन के मुद्दे तकनीकी, ऐतिहासिक और सामाजिक जटिलताओं से भरे हुए हैं। एक ही समय में इन सभी समस्याओं का समाधान ढूंढना व्यावहारिक रूप से कठिन है। ऐसे में कहना गलत नहीं होगा कि निजी दूतों की भूमिका में पारदर्शिता की कमी और व्यावसायिक हितों का टकराव शांति प्रयासों में बाधक बन सकता है। फिलहाल, दुनिया शांति और युद्ध के बीच संवेदनशील संतुलन पर खड़ी है। युद्ध की संभावनाएँ केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर आर्थिक और मानव सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। ऐसे समय में अंतरराष्ट्रीय समुदाय की जिम्मेदारी है कि वह सभी पक्षों को संयम बरतने, नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और विवादों को कूटनीतिक संवाद के माध्यम से सुलझाने के लिए प्रेरित करे।

शांति की राह हमेशा आसान नहीं होती, लेकिन यही मानव सभ्यता के अस्तित्व को बचाए रखने की अंतिम कुंजी है। युद्ध की जटिलताओं और हिंसा के साये में मानवता के लिए यही चुनौती है कि हम सहयोग, संवाद और समझौते के रास्ते ढूंढें। यह केवल सरकारों का काम नहीं, बल्कि वैश्विक नागरिकों, संगठनों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की साझा जिम्मेदारी बन गई है कि वे युद्ध के खतरे को कम करें और स्थायी शांति की दिशा में कदम आगे बढ़ाएँ। यहां यह भी न भूलें कि बेशक वर्तमान में दुनिया युद्ध के मुहाने पर खड़ी है, लेकिन यही वह समय है, जबकि हम शांति की बात करें, कूटनीति को प्राथमिकता दें और ऐसे कदम उठाएँ जिससे संघर्ष के अंधकार को रोका जा सके। यही मानवता की जिम्मेदारी और सबसे बड़ा उद्देश्य है।

विरोध के मंच और तरीके से कांग्रेस की साख पर सवाल

उमेश चतुर्वेदी

विरोध और मतभिन्नता लोकतंत्र का आभूषण होता है। लेकिन विरोध का तरीका क्या हो या फिर किस जगह पर हो, इसकी समझ होनी चाहिए। कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है। स्वाधीनता आंदोलन के साथ-साथ इतिहास के हर आगे बढ़ते पग के साथ कांग्रेस आगे बढ़ती रही है। विरोधी आंदोलन चलाने का स्वाधीनता के पहले उसका लंबा इतिहास रहा। आजादी के बाद सबसे ज्यादा वक्त शासन का अनुभव भी उसी के पास है। इस वजह से उससे लोकतांत्रिक विरोध के तरीकों और विरोध के लिए चुने जाने वाले मंचों को लेकर विशेष उम्मीद रखना बेमानी नहीं है। शायद यही वजह है कि इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन में उसकी ओर से किए गए विरोध प्रदर्शनों को राष्ट्रीय समर्थन मिलता नहीं दिख रहा। पूर्व पत्रकार पवन खेड़ा जैसा प्रवक्ता 20 फरवरी के विरोध प्रदर्शन को चाहे जितना भी वाजिब ठहरा रहा हो, कांग्रेस की इस विरोध प्रदर्शन के लिए किरकिरी ही हो रही है।

संसद से लेकर सड़क तक ज्यादातर मुद्दों पर भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ कांग्रेस का साथ देने वाले ज्यादातर विपक्षी दलों को भी युवा कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन नहीं रूचा है। ज्यादातर विपक्षी दलों ने इस प्रदर्शन को अनुचित बताया है। अखिलेश यादव ने शायद सबसे गंभीर बात कही है। उन्होंने कहा है कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन वैश्विक मंच पर ऐसा विरोध प्रदर्शन उचित नहीं था। अखिलेश यहीं तक नहीं रूके, उन्होंने कांग्रेस को एक तरह से नसीहत देते हुए कहा कि देश को विदेशी प्रतिनिधियों के सामने शर्मिंदा करने से बचना चाहिए। कांग्रेस के साथ हर मुमकिन मौके पर गलबहियां डालकर चलने वाले राष्ट्रीय जनता दल के राज्यसभा सदस्य मनोज झा ने भी एक तरह से कांग्रेस को उपदेश ही दिया है। मनोज झा का कहना है कि शिकायतें हो सकती हैं, लेकिन विरोध का तरीका बेहतर हो सकता है।

ऐसा नहीं कि भारतीय लोकतंत्र में विरोध की परंपरा नहीं रही है। भारतीय राजनीति के चिर विद्रोही कहे जाने वाले लोहिया ने विरोध करने का जो मुहावरा दिया, वह भारतीय राजनीति का सर्वस्वीकार्य रहा है। उन्होंने संसद से सड़क तक विरोध का तरीका बताया। लोहियावादी विरोध कई मायनों में आक्रामक ही कहा जाएगा। लेकिन विरोध कब और कहां किया जाना चाहिए, उसकी जगह क्या होनी चाहिए, इसे लेकर भी भारतीय राजनीति में आमराय रही है। विरोध के मंच ऐसे नहीं होने चाहिए, जिससे भारत की एक राष्ट्र के रूप में वैश्विक शर्मिंदगी उठानी पड़े। इस सूत्र वाक्य को भारतीय राजनीति अपनाती रही है। लेकिन नई दिल्ली के भारत मंडपम में बीस फरवरी को युवा कांग्रेस की ओर से किया गया विरोध प्रदर्शन इस सूत्र वाक्य का एक तरह से उल्लंघन ही माना जाएगा। शायद यही वजह है कि कांग्रेस के समर्थक और साथी दल इसकी आलोचना कर रहे हैं या फिर कांग्रेस को नसीहत दे रहे हैं।

जिस इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन के मंच का इस्तेमाल युवा कांग्रेस ने नरेंद्र मोदी के विरोध के लिए किया, उसमें दुनिया भर के 118 देशों के सरकारी प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। 16 फरवरी से 21 फरवरी तक चले इस सम्मेलन में 22 देशों के शासनाध्यक्षों और मंत्री स्तर के 59 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन के बाद जो नई दिल्ली घोषणापत्र जारी किया गया, उस पर 88 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने हस्ताक्षर करके अपनी सहमति जताई है। जिसमें अमेरिका, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस और रूस जैसे प्रमुख देशों की भी भागीदारी है। इस सम्मेलन में 100 से अधिक वैश्विक स्तर के एआई नेता और 500 से अधिक स्टार्टअप्स ने भी शिरकत की। इस सम्मेलन की महत्ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस के घोषणा पत्र में अमेरिका और ब्रिटेन ने भी हस्ताक्षर किए हैं। इससे पहले पेरिस में हुए एआई वैश्विक सम्मेलन के बाद जारी घोषणा पत्र में अमेरिका और ब्रिटेन ने हस्ताक्षर नहीं किया था। जबकि पूरी दुनिया जानती है कि वैश्विक मामलों में फ्रांस, अमेरिका और ब्रिटेन एक ही खेमे के देश हैं। जाहिर है कि ऐसे मंच का महज प्रधानमंत्री के विरोध के लिए इस्तेमाल करना सही कदम नहीं माना जाएगा।

भले ही इस विरोध प्रदर्शन को मायावती भी अनुचित बता चुकी हों, वाईएसआर कांग्रेस के नेता जगनमोहन रेड्डी गलत बता चुके हों, फिर भी कांग्रेस द्वारा इसे वाजिब ठहराया जाना साबित करता है कि पार्टी के केंद्रीय ढांचे में उचित-अनुचित का भेद करने वाली शख्सियतों की कमी हो गई है। कांग्रेस के इस विरोध प्रदर्शन को विपक्षी खेमे में ही उसकी सत्ता से दूरी से उपजी हताशा को माना जा रहा है। लेकिन विपक्षी खेमा इसके लिए कांग्रेस के नेतृत्व को ही जिम्मेदार ठहराता है। कांग्रेस के कुछ अंदरूनी नेता भी मानते हैं कि राहुल गांधी की अगुआई वाली कांग्रेस के केंद्रीय घेरे में दूरगामी सोच वाले नेताओं की बहुत कमी हो गई है। इसलिए पार्टी में एकाधिकारवादी और बेपरवाह सोच हावी होती गई है। विपक्षी खेमे के साथ ही पार्टी के कुछ लोग मानते हैं कि अगर पिछले आम चुनाव से पहले नीतीश कुमार को राहुल की अगुआई वाली कांग्रेस ने अपना नेता मान लिया होता या फिर इंडिया गठबंधन का संयोजक स्वीकार कर लिया होता तो संभवतः देश का इतिहास कुछ और होता। इसकी वजह यह है कि नरेंद्र मोदी के बरक्स नीतीश कुमार ही ऐसे नेता हैं, जिनकी राष्ट्रव्यापी एक छवि है। नीतीश के पास बिहार के अतिरिक्त देश के दूसरे इलाके में जमीनी नेतृत्व और संगठन नहीं है। लेकिन उनकी पहचान पूरे देश में है और उनकी छवि भी विपक्षी खेमे के दूसरे नेताओं की तुलना में कहीं ज्यादा पाक-साफ है। मौजूदा कांग्रेस की कमी यह है कि वह अगले पल उठाए जाने वाले अपने हर कदम के परिणामों का आकलन राहुल गांधी की राजनिक सेहत के लिहाज से करती है। कांग्रेसी आलानेतृत्व की सलाहकार मंडली नहीं चाहती कि विपक्ष में ऐसी कोई शख्सियत उभरे, जिससे राहुल की प्रासंगिकता कमजोर हो। मोदी के बरक्स लड़ाई में वह दूसरे किसी विपक्षी नेता को उभरते हुए नहीं देख सकती। मोदी विरोध में कदम उठाते वक्त वह भूल जाती है कि उन कदमों का राजनीतिक हासिल क्या होगा? फिर राहुल समर्थक मंडली उन्हें मोदी के बरक्स सिर्फ नैरेटिव केंद्रित राजनीति की ही सलाह देती है। इन वजहों से राहुल का विरोध भी देश को उनकी तरफ आकर्षित करने का माध्यम नहीं बन पा रहा है।

भारत मंडपम् में पूरे पांच दिन चले कार्यक्रम के चलते

समूची दिल्ली ट्रैफिक जाम से हलकान रही। इसका असर गुड़गांव और नोएडा के ट्रैफिक पर भी पड़ा। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की कल्पनाहीनता से ट्रैफिक में फंसकर दिल्ली तकरीबन पूरे पांचों दिन हांफती रही। इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन का ध्येय वाक्य ह्यसर्वजन हिताय, सर्वजन सुखायह्ण को भी लोग कोसते दिखे। कहने का मतलब यह है कि इस सम्मेलन की अहमियत के बावजूद इससे एक बड़ा तबका हलकान रहा। अव्वल तो ऐसे माहौल में कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को समर्थन मिलना चाहिए था, लेकिन ऐसा होता एकदम नहीं दिखा। कांग्रेस हालांकि दावा करती है कि देश अब मौजूदा सरकार से नाराज है। अगर उसके ही दावों को सच मान लें तो होना तो यह चाहिए था कि कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को देश हाथोंहाथ ले। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसकी वजह यह है कि कांग्रेस आलानेतृत्व के कदम आम लोगों में भरोसा पैदा नहीं कर पाए हैं। कांग्रेस की केंद्रीय सलाहकार मंडली की सलाहें जनता के दिलों में मोदी विरोधी हिलोरें पैदा नहीं कर पा रही हैं, तो इसकी वजह यही है कि पार्टी के विरोध करने के शऊर, मुददे और मंच सही नहीं हैं। इसी वजह से उनकी साख नहीं बन पा रही है। सबसे पुरानी पार्टी होने के नाते कांग्रेस को पता है कि राजनीति में साख का क्या महत्व होता है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में सिख को अगवा कर हत्या की, इरादतन निशाना नहीं

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका में 57 वर्षीय एक सिख अवतार सिंह का अपहरण होने के कुछ दिन बाद उनका शव मिला है। अधिकारी बोले, उन्हें किसी इरादे के तहत निशाना नहीं बनाया गया है। अवतार सिंह 17 फरवरी की रात कैलिफोर्निया के ट्रेसी शहर से लापता हुए थे। जांच के दौरान सीसीटीवी कैमरे के फुटेज में एक सफेद एसयूवी और गहरे रंग के कपड़े पहने तीन अज्ञात व्यक्तियों को सिंह के साथ देखा गया। इसमें ऐसा लगा कि सिंह अपनी मर्जी के विरुद्ध वाहन में बैठे। सैन जोआक्विन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि 20 फरवरी को नापा काउंटी के शेरिफ कार्यालय ने लेक बेरीएसा के पास उनका शव बरामद किया। अधिकारियों ने कहा, मामले की जांच हो रही है और जिम्मेदार लोगों की पहचान की जा रही है।

किसी अन्य पर था अपहर्ताओं का निशाना

एक रिपोर्ट के अनुसार, सैन जोआक्विन काउंटी शेरिफ पैट्रिक विद्रो ने कहा, आरोपियों का इरादा सिंह को अगवा कर उनकी हत्या करना नहीं था। अपहरणकर्ता किसी अन्य व्यक्ति पर किसी विशेष कारण से निशाना साध रहे थे और उम्मीद है कि वह कारण सामने आएगा।

ऑस्ट्रेलियाई पीएम को बम की धमकी, खाली कराया आवास

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंतोनियो अल्बनीज को एक बम धमकी के बाद मंगलवार देर रात कैनबरा स्थित उनके आधिकारिक आवास से कुछ घंटों के लिए हटा दिया गया। हालांकि, बाद में जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिलने पर वे लौट आए। पुलिस ने कहा, धमकी भरे ईमेल प्रतिबंधित चीनी नृत्य समूह शेन यून को भेजे गए थे। इसमें दावा किया था कि यदि समूह ने ऑस्ट्रेलिया में प्रदर्शन किया तो पीएम आवास के पास रखे विस्फोटक सक्रिय कर दिए जाएंगे।

इंडोनेशिया : 11 साल सजा काटने के बाद हत्यारा रिहा, देश निकाला

बाली, एजेंसी। इंडोनेशिया ने बाली के चर्चित सूटकेस मर्डर मामले में 11 साल की सजा काट चुके अमेरिकी नागरिक टॉमी शैफर को रिहा कर मंगलवार को देश से निष्कासित कर दिया। साल 2014 में बाली में अपनी प्रेमिका की मां शीला वॉन वीसे-मैक की हत्या के लिए शैफर को 18 साल की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद अच्छे आचरण के कारण सजा में छूट मिलने के बाद उसे बाली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अमेरिका भेजा गया। बता दें कि मामले में शैफर की प्रेमिका हीदर मैक को भी गिरफ्तार किया गया था।

म्यांमार में सैन्य पकड़ होगी मजबूत खिन यी संभालेंगे संसद की कमान

नेप्यीडॉ, एजेंसी। म्यांमार में हालिया चुनावों के बाद सेना समर्थित पार्टी यूएसपीडीपी सत्ता पर पूर्ण नियंत्रण की तैयारी में है। सूत्रों के अनुसार, सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर जनरल और पार्टी प्रमुख खिन यी को संसद के निचले सदन का अध्यक्ष (स्पीकर) नियुक्त किया जा सकता है। यह पद राष्ट्रपति चुनाव और विधायी प्रक्रियाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। चुनाव में यूएसडीपी ने 81 फीसदी सीटें जीती हैं। जानकारी के मुताबिक, एक नई पांच सदस्यीय यूनियन कंसल्टेटिव काउंसिल का गठन किया जाएगा। इससे सैन्य प्रमुख मिन आंग ह्लाइंग के लिए राष्ट्रपति बनने का मार्ग प्रशस्त होगा।

श्रीलंका : पूर्व खुफिया प्रमुख की गिरफ्तारी

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के पूर्व राज्य खुफिया सेवा प्रमुख सुरेश सैली को 2019 के ईस्टर धमाकों की जांच के सिलसिले में बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सैली को पुलिस के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने कोलंबो के उपनगर पेलियागोड़ा में उस समय हिरासत में लिया, जब वह एक गैर-सरकारी संगठन में काम करने जा रहे थे।

सूडान में अत्याचार पर संयुक्त राष्ट्र की कार्रवाई

खार्तूम, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सूडान के अर्धसैनिक संगठन रैपिड सपोर्ट फोर्सेस (आरएसएफ) के चार कमांडरों पर प्रतिबंध लगा दिया है। इन पर दारफुर के एल-फाशेर शहर में आम लोगों की हत्या और अत्याचार करने का आरोप है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में कहा गया है कि आरएसएफ ने गैर-अरब समुदाय के लोगों को निशाना बनाया, बड़े पैमाने पर हत्याएं कीं और महिलाओं के साथ यौन हिंसा की। बताया गया कि हजारों लोग मारे गए और कई लोग अब भी लापता हैं। जिन लोगों पर प्रतिबंध लगाया गया है उनमें आरएसएफ के प्रमुख जनरल मोहम्मद हमदान डगालो और उनके भाई अब्दुल रहीम डगालो भी शामिल हैं।

'मैंने दोस्त मोदी को चौंका दिया', डिनर से पहले 'देसी' हुए पीएम नेतन्याहू, पहने भारतीय कपड़े

तेल अवीव, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को अपने भारतीय समकक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके संयुक्त रात्रिभोज से पहले पारंपरिक भारतीय परिधान पहनकर चौंका दिया। खुद नेतन्याहू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट शेयर करते हुए अपना वीडियो जारी किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि बेंजामिन नेतन्याहू ने भारतीय और पश्चिमी परिधान का एक आकर्षक मिश्रण पहना हुआ है।

उन्होंने एक सफेद रंग की फुल-स्लीव शर्ट के ऊपर हल्के ग्रे (स्लेटी) रंग की एक स्लीवलेस जैकेट पहनी है, जो पारंपरिक भारतीय 'नेहरू जैकेट' या 'बंडी' जैसी लग रही है और उन्हें एक बेहतरीन 'देसी' लुक दे रही है। इसके साथ ही, उन्होंने नीचे डार्क रंग की फॉर्मल पैंट और काले रंग के चमड़े के फॉर्मल जूते पहने हुए हैं। पीएम नेतन्याहू ने हिंदी में लिखा- हमारे संयुक्त रात्रिभोज से पहले, मैंने अपने मित्र प्रधानमंत्री मोदी को पारंपरिक भारतीय परिधान पहनकर चौंका दिया।

इजरायली संसद में पीएम मोदी का ऐतिहासिक संबोधन : इससे पहले दिन में, पीएम मोदी ने यरुशलम में नेसेट (इजरायली संसद) के एक विशेष पूर्ण सत्र को संबोधित किया। वह इजरायल की संसद को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बन गए हैं। नेसेट पहुंचने पर, स्पीकर अमीर ओहाना ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया और उन्हें एक औपचारिक सम्मान दिया गया। प्रधानमंत्री के संबोधन से पहले इजरायल के पीएम नेतन्याहू, विपक्ष के नेता येर लैपिड और स्पीकर ओहाना ने सत्र में अपने विचार रखे जो भारत-इजरायल संबंधों के प्रति इजरायल के मजबूत द्विदलीय समर्थन को दर्शाता है।

'स्पीकर ऑफ द नेसेट' पदक से सम्मान : पीएम मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत इस विशेष सम्मान के लिए स्पीकर को धन्यवाद देकर की। उन्होंने 'स्पीकर ऑफ द नेसेट' पदक से सम्मानित किए जाने पर आभार व्यक्त किया और इस पदक को दोनों देशों की स्थायी मित्रता और साझा लोकतांत्रिक परंपराओं को समर्पित किया।

भारत-इजरायल संबंधों पर पीएम मोदी : पीएम मोदी ने भारत और इजरायल के बीच प्राचीन सभ्यतागत संबंधों के साथ-साथ प्रौद्योगिकी, इनोवेशन, रक्षा, सुरक्षा और रणनीतिक तालमेल पर आधारित एक मजबूत आधुनिक साझेदारी पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कृषि, ग्रामीण विकास, जल प्रबंधन, स्थिरता और उद्यम जैसे क्षेत्रों में सहयोग ने दोनों देशों के लोगों के बीच के रिश्तों को एक गतिशील दृष्टिकोण प्रदान किया है। प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के ऐतिहासिक संबंधों को रेखांकित करते हुए कहा कि इजरायल में रहने वाले भारतीय समुदाय और भारत में यहूदी प्रवासियों ने दोनों देशों की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

आतंकवाद पर कड़ा रुख और शांति की अपील : आतंकवाद के खिलाफ दोनों देशों की 'जीरो टॉलरेंस' की अडिग नीति को दोहराते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने 7 अक्टूबर को हुए आतंकी हमले पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इस तरह की क्रूरता और बर्बरता को किसी भी रूप में उचित नहीं ठहराया जा सकता। अंत में, उन्होंने क्षेत्र में स्थायी शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने वाले सभी प्रयासों को भारत का पूर्ण समर्थन देने की पेशकश की।

पीएम मोदी और नेतन्याहू की मुलाकात बेहद खास : नेतन्याहू को बीबी निकनेम से भी पुकारा जाता है। उन्होंने पीएम मोदी के साथ मुलाकात के खास लम्हे का एक वीडियो भी साझा किया है। खास बात ये है कि नेतन्याहू ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर हिंदी भाषा में खास संदेश भी लिखा है। नेतन्याहू के भारतीय पोशाक पहनने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। ऐसी ही एक अन्य तस्वीर दोनों के एक ही कार में बैठने की भी है। राष्ट्राध्यक्षों के साथ पीएम मोदी की कार वाली तस्वीरों को उनकी कार डिप्लोमेसी की तरह भी देखा जाता है। दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी के सम्मान में आयोजित रात्रिभोज से पहले इस्राइल के प्रधानमंत्री ने पीएम मोदी से मुलाकात के दौरान भारतीय परिधान धारण किया। उन्होंने इसकी झलकियां साझा करते हुए इंस्टाग्राम हैंडल पर लिखा, 'हमारे संयुक्त रात्रिभोज से पहले, मैंने अपने मित्र प्रधानमंत्री मोदी को पारंपरिक भारतीय परिधान पहनकर चौंका दिया।

किम जोंग उन ने दक्षिण कोरिया को दी कड़ी चेतावनी

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने एक बार फिर दक्षिण कोरिया को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर उत्तर कोरिया की सुरक्षा को कोई खतरा हुआ तो उनका देश दक्षिण कोरिया को 'पूरी तरह तबाह' कर सकता है। साथ ही उन्होंने साफ कर दिया कि फिलहाल वह सियोल सरकार से बातचीत के इच्छुक नहीं हैं। हालांकि, किम जोंग उन ने अमेरिका के साथ बातचीत की संभावना पूरी तरह बंद नहीं की। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका अपनी दुश्मनी वाली नीतियां छोड़ दे, तो फिर से वार्ता शुरू की जा सकती है। पिछले कई वर्षों से दोनों देशों के बीच परमाणु मुद्दे पर बातचीत रुकी हुई है। राज्य मीडिया के मुताबिक, किम ने अपनी सत्तारूढ़ पार्टी की बैठक के समापन पर अगले पांच वर्षों की नीति का खाका पेश किया। उन्होंने नए हथियार सिस्टम विकसित करने पर जोर दिया। इसमें पानी के अंदर से छोड़े जा सकने वाले अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल और दक्षिण कोरिया को निशाना बनाने वाले कम दूरी के परमाणु हथियार शामिल हैं। किम ने दावा किया कि तेजी से विकसित हो रहे परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम ने उत्तर कोरिया को स्थायी रूप से परमाणु शक्ति संपन्न देश बना दिया है।

बांग्लादेश में अवामी लीग नेताओं को दोबारा गिरफ्तार करने का आदेश : ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के राजशाही रेंज के पुलिस प्रमुख ने आदेश दिया है कि प्रतिबंधित अवामी लीग के जो नेता और कार्यकर्ता जमानत पर बाहर आए हैं, उन्हें दूसरे मामलों में फिर से गिरफ्तार किया जाए। यह आदेश दो दिन पहले जारी हुआ। पुलिस अधिकारी ने कहा कि जिन लोगों के फिर से सक्रिय होने की संभावना है और जो पार्टी को मजबूत कर सकते हैं, उन्हें नए मामलों में गिरफ्तार किया जाए। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि आदेश में किसी पार्टी का नाम सीधे नहीं लिया गया है। पिछले साल छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना की सरकार गिर गई थी। इसके बाद अंतरिम सरकार ने अवामी लीग की गतिविधियों पर रोक लगा दी थी। हाल के चुनाव के बाद नई सरकार बनी है और कई नेताओं को जमानत मिली है। इस आदेश के बाद राजनीतिक माहौल और गर्म हो गया है।

दक्षिण अफ्रीका में पांच खनिकों की मौत की आशंका : किम्बरली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के किम्बरली शहर में एक हीरे की खदान में भूस्खलन और पानी भरने से पांच मजदूर फंस गए थे। अब कंपनी ने कहा है कि उन्हें मृत मान लिया गया है, क्योंकि सुरंग पूरी तरह कीचड़ और पानी से भर चुकी है। यह हादसा 17 फरवरी को हुआ था। बचाव दल ने काफी कोशिश की, लेकिन अंदर पहुंचना संभव नहीं हो पाया। कंपनी ने खदान को तुरंत बंद करने और खुद को दिवालिया घोषित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

वर्ल्ड ट्रेड सेंटर का आखिरी टावर बनेगा

न्यूयॉर्क , एजेंसी। न्यूयॉर्क में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर परिसर का आखिरी ऑफिस टावर अब बनने जा रहा है। 2 वर्ल्ड ट्रेड सेंटर नाम की यह इमारत अमेरिकन एक्सप्रेस कंपनी का नया मुख्यालय बनेगी। 11 सितंबर 2001 के आतंकी हमले में पुराने टावर नष्ट हो गए थे। उसके बाद से इस जगह का पुनर्निर्माण धीरे-धीरे हो रहा है। अब लगभग 25 साल बाद आखिरी बड़ी इमारत का निर्माण शुरू होगा। यह 55 मंजिला इमारत होगी और 2031 तक तैयार होने की उम्मीद है। इसमें करीब 10,000 कर्मचारी काम कर सकेंगे। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने इसे शहर के लिए बड़ा कदम बताया है। कंपनी ने कहा कि यह उनके भविष्य में निवेश है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धोखाधड़ी रोकने के लिए जस्टिस डिपार्टमेंट में नया नेशनल फ्रॉड एन्फोर्समेंट डिवीजन बनाने की घोषणा की है। इस विभाग का नेतृत्व कॉलिन मैकडोनाल्ड करेंगे। ट्रंप ने हाल में कहा था कि सरकार 'फ्रॉड के खिलाफ युद्ध' छेड़ रही है। खासकर मिनेसोटा में अरबों डॉलर की कथित धोखाधड़ी की जांच को लेकर सख्ती दिखाई जा रही है। हालांकि कुछ आलोचकों का कहना है कि पहले से ही फ्रॉड मामलों के लिए विभाग मौजूद है, फिर नया विभाग बनाने की जरूरत क्यों है। सुनवाई के दौरान मैकडोनाल्ड ने कहा कि वे बिना किसी डर या पक्षपात के कानून के अनुसार काम करेंगे। इस फैसले को लेकर अमेरिका में बहस जारी है।

नॉर्वे के राजा अस्पताल में भर्ती : ओस्लो, एजेंसी। नॉर्वे के 89 वर्षीय राजा हेराल्ड पंचम को स्पेन के टेनेरिफे द्वीप पर अस्पताल में भर्ती किया गया है। वे अपनी पत्नी क्वीन सोन्या के साथ छुट्टी मनाने गए थे। डॉक्टरों ने बताया कि उनके पैर में त्वचा का संक्रमण हो गया है, जिसके इलाज के लिए उन्हें कुछ दिन और अस्पताल में रहना होगा। राजमहल की ओर से कहा गया है कि उनकी सेहत फिलहाल स्थिर है और वे इलाज का अच्छा असर दिखा रहे हैं। डॉक्टर ने यह भी कहा कि 90 साल के करीब उम्र में संक्रमण गंभीर हो सकता है, इसलिए पूरी जांच के बाद ही उन्हें छुट्टी दी जाएगी। दो साल पहले भी वे मलयेशिया में छुट्टियों के दौरान बीमार पड़े थे और उन्हें अस्थायी पेसमेकर लगाया गया था। बाद में नॉर्वे लौटकर स्थायी पेसमेकर लगाया गया। राजा हेराल्ड 1991 से नॉर्वे के राजा हैं।

कमला हैरिस ने डोनाल्ड ट्रंप के स्टेट ऑफ द यूनियन भाषण को 'झूठ से भरा' बताया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के स्टेट ऑफ द यूनियन भाषण की कड़ी आलोचना करते हुए झूठा बताया। साथ ही ट्रंप पर अर्थव्यवस्था, मतदान के अधिकार और ईरान के मुद्दों पर अमेरिकियों को गुमराह करने का आरोप लगाया। ट्रंप के भाषण के एक दिन बाद हैरिस ने बुधवार को 'द परनास पर्सपेक्टिव' के होस्ट एरॉन परनास के सबस्टैक शो में कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप का भाषण देखा, जो आम परिवारों की वास्तविकताओं से बिल्कुल अलग था। हैरिस ने ट्रंप के इस दावे को खारिज कर दिया कि देश की स्थिति मजबूत है। उन्होंने कहा, ''बहुत से लोग बढ़ती कीमतों, महंगी स्वास्थ्य सेवाओं और महंगे आवास के बोझ तले दबे हुए हैं।

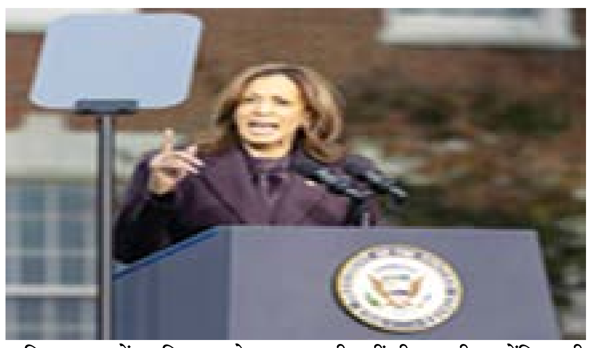

दक्षिणी राज्यों की अपनी हालिया यात्राओं का जिक्र करते हुए, उन्होंने मिसिसिपी में एक ऐसी मां से मिलने का किस्सा सुनाया, जिसका चार लोगों के लिए साप्ताहिक राशन बजट सिर्फ 150 डॉलर था। हैरिस ने बताया, 'कार्ट में जो कुछ भी था, वह उसके बच्चों के लिए था। मां ने उनसे कहा कि वह 'जो कुछ भी उनके बच्चे नहीं खाएंगे, वह खा लेंगी।' वह बोतलबंद पानी लेने के लिए पैदल चलकर गई। वह नल का पानी नहीं पी सकती, क्योंकि पानी भूरा और जहरीला है। हैरिस ने प्रस्तावित खर्च प्राथमिकताओं की भी आलोचना की। उन्होंने पूछा, ''जब आप मेडिकेड में 1 ट्रिलियन डॉलर की कटौती करते हैं, तो कौन शोर मचा रहा है? मतदान अधिकारों पर हैरिस ने सेव अधिनियम का कड़ा विरोध किया, जिसे ट्रंप ने कांग्रेस से पारित करने का आग्रह किया था। उन्होंने तर्क दिया कि इस विधेयक के तहत लोगों को मतदान पंजीकरण के लिए जन्म प्रमाण पत्र या पासपोर्ट दिखाना अनिवार्य होगा, जबकि लगभग 40 प्रतिशत अमेरिकियों के पास ये दस्तावेज नहीं हैं। हैरिस ने ईरान के साथ बढ़ते तनाव पर चिंता व्यक्त की और कहा कि अब वह इस क्षेत्र में अमेरिकी सैनिकों को भेज रहे हैं, जिससे यह पूरी तरह से संभव है कि अमेरिकी पुरुषों और महिलाओं को युद्ध में तैनात किया जाएगा।

हैरिस ने आगे कहा, 'अमेरिकी जनता युद्ध नहीं चाहती और न ही चाहती है कि हमारे बेटे-बेटियों को ऐसी कार्रवाई शुरू करने के लिए भेजा जाए, जिसे टाला जा सकता है।' उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी सहयोगी राष्ट्रपति के कदम से सहमत नहीं हैं। इस तरह गठबंधनों का कमजोर होना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

गूगल का चीन के वैश्विक जासूसी नेटवर्क का खुलासा, 53 देशों में की थी साइबर हमलों की कोशिश

न्यूयॉर्क, एजेंसी। तकनीकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी गूगल ने एक बेहद संगठित और खतरनाक अंतरराष्ट्रीय साइबर जासूसी नेटवर्क को ध्वस्त करने का दावा किया है। बुधवार को गूगल ने बताया कि चीन से जुड़े एक हैकिंग समूह यूएनसी2814 (जिसे गैलियम भी कहा जाता है) ने दुनिया भर के 42 देशों के कम से कम 53 प्रमुख संगठनों के डेटा में सेंध लगाई थी।

गूगल थ्रेट इंटेलिजेंस ग्रुप के मुख्य विश्लेषक जॉन हल्टक्विस्ट ने कहा कि यह एक विशाल जासूसी तंत्र था, जिसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर व्यक्तियों और विशिष्ट संस्थानों की निगरानी करना था। यह समूह लगभग एक दशक से सक्रिय है।

गूगल का दावा: किसी उत्पाद की तकनीकी खामी नहीं... वैसे, गूगल ने स्पष्ट किया कि यह किसी उत्पाद की तकनीकी खामी नहीं, बल्कि प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग था। हैकरों ने ग्रिडटाइड नामक एक गुप्त बैकडोर स्थापित किया था, जिससे उन्हें लोगों के नाम, फोन नंबर, जन्म तिथि, मतदाता पहचान पत्र और नेशनल आईडी जैसे बेहद निजी डेटा तक पहुंच मिल गई थी।

कॉल डेटा रिकॉर्ड की चोरी करना था उद्देश्य : हल्टक्विस्ट ने कहा कि जासूसी नेटवर्क विशेष रूप से सरकारी संस्थाओं और दूरसंचार कंपनियों को अपना निशाना बनाता रहा है। हालांकि, गूगल ने तत्काल कार्रवाई करते हुए हैकिंग समूह की ओर से नियंत्रित क्लाउड प्रोजेक्ट को बंद कर दिया है और उनके इंटरनेट बुनियादी ढांचे को निष्क्रिय कर दिया है। हमलों का उद्देश्य कॉल डाटा रिकॉर्ड और एसएमएस संदेशों की चोरी करना था।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति बोले- ईरान आतंकवाद का सबसे बड़ा गढ़

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में अमेरिकी वॉरशिप और सैनिकों की तैनाती के बीच उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान को सख्त संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की कूटनीति को कमजोरी न समझा जाए और जरूरत पड़ी तो सैन्य विकल्प भी इस्तेमाल होगा। वेंस ने कहा कि सैन्य कार्रवाई की धमकियों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। फॉक्स न्यूज से बातचीत में वेंस ने कहा- हमें ऐसी स्थिति में पहुंचना होगा जहां ईरान, जो दुनिया में आतंकवाद का सबसे बड़ा गढ़ है, परमाणु आतंकवाद से दुनिया को धमकी न दे सके। सनकी, क्रूर और दुनिया के सबसे खतरनाक शासन को परमाणु हथियार रखने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प कूटनीतिक समाधान चाहते हैं, लेकिन उनके पास अन्य विकल्प भी मौजूद हैं और वे उनका इस्तेमाल करने की इच्छा दिखा चुके हैं। ट्रम्प ने बुधवार को संसद में अपने संबोधन के दौरान आरोप लगाया था कि ईरान अमेरिका तक मार करने में सक्षम मिसाइलें विकसित कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान पिछले साल अमेरिकी हमलों के बाद अपने परमाणु कार्यक्रम को दोबारा खड़ा करने की कोशिश कर रहा है।

वेंस बोले- बातचीत का अंतिम फैसला ट्रम्प के हाथ में है जब वेंस से पूछा गया कि क्या ईरान के सर्वोच्च नेता को हटाना भी अमेरिका का लक्ष्य है, तो उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए अंतिम फैसला राष्ट्रपति ट्रम्प करेंगे। वेंस ने कहा कि बातचीत कितने समय तक जारी रखनी है, इसका अंतिम फैसला राष्ट्रपति ट्रम्प करेंगे। उन्होंने कहा- हम कोशिश जारी रखेंगे। लेकिन राष्ट्रपति के पास यह अधिकार है कि वे तय करें कि कूटनीति अपनी सीमा तक पहुंच गई है या नहीं। हमें उम्मीद है कि इस बार बातचीत बुरे अंजाम तक नहीं पहुंचेगी, लेकिन अगर पहुंचती है तो फैसला राष्ट्रपति ही करेंगे। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, ईरान अगले दो हफ्तों में ज्यादा बड़ा प्रस्ताव देगा, जिससे दोनों पक्षों के बीच मतभेद कम किए जा सकें।

ब्राजील में भीषण बाढ़ से हाहाकार, अब तक 46 लोगों की मौत; विचलित कर रहा मंजर

रियो डी जेनेरियो, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश ब्राजील में कुदरत का भयानक कहर देखने को मिल रहा है। दक्षिण-पूर्व ब्राजील में भीषण बाढ़ से लगातार मृतकों का आंकड़ा बढ़ रहा है। अब तक 46 लोगों की मौत हो गई। कई लोग लापता है, जिनको तलाश जारी है। वहीं सैकड़ों लोग अपने घरों को छोड़ने के लिए मजबूर है। दक्षिणपूर्वी ब्राजील के मिनास गेरैस राज्य में आई भीषण बाढ़ में लगातार मृतकों का आंकड़ा बढ़ रहा है।

भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ से हाहाकार : ब्राजील के दक्षिणी भाग में भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ से तबाही मचने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हो गई है। मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि अगले कुछ दिनों में इस क्षेत्र में और अधिक बारिश होने की आशंका है। इधर, मिनास गेरैस राज्य में बचाव अभियान जारी है। बचाव कर्मचारी स्थिति पर काबू पाने के लिए कोशिश कर रहे हैं। बचाव अभियान पूरी तेजी से जारी है और घर व कस्बे कीचड़ और मलबे से ढके हुए हैं।

अब तक 3600 लोग विस्थापित : इससे पहले बुधवार को ब्राजील के अग्निशमन विभाग ने मृतकों की संशोधित संख्या प्रकाशित की और बताया कि लगभग 21 लोग अभी भी लापता हैं। राज्य अग्निशमन विभाग द्वारा बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार ब्राजील के दक्षिणपूर्वी राज्य मिनास गेरैस में भारी बारिश से मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हो गई है। दमकल विभाग ने बताया कि लगभग 110 किलोमीटर (68 मील) की दूरी पर स्थित जुइज डे फोरा और उबा शहरों में बाढ़ और भूस्खलन के कारण लगभग 3,600 लोग विस्थापित हो गए, जबकि 21 लोग अभी भी लापता हैं।

11 वर्षीय लड़के का किया

अंतिम संस्कार : मृतकों में 11 वर्षीय बर्नार्डो लोपेस दुत्रा भी शामिल था, जिसका घर बारिश के कारण ढह गया था। वहीं दुत्रा की पत्नी और बेटी अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं। पिता रिकार्डो दुत्रा ने जुइज डी फोरा ने अंतिम संस्कार के दौरान कहा कि यह एक ऐसी त्रासदी है, जिसकी किसी को उम्मीद नहीं थी। उन्होंने बर्नार्डो को एक बड़े दिल वाला लड़का बताया, जिसने अपने अनोखे अंदाज में अपने आस-पास के सभी लोगों को प्रभावित किया। इधर, ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने मंगलवार को कहा कि सुरक्षा बलों को बचाव अभियान में लगाया गया है और वे बारिश से प्रभावित आबादी को तत्काल सहायता प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि स्वास्थ्य देखभाल दल भी उस क्षेत्र में भेजे गए हैं, जो पहाड़ियों, घाटियों और ढलानों के निकट स्थित है।

भारतीय टीम को टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में जगह बनाने वेस्टडंडीज पर दर्ज करनी होगी बड़ी जीत

-अन्य परिणाामों पर भी रखनी होगी नजर

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम की जिम्बाब्वे के खिलाफ 72 रनों की जीत के साथ ही दक्षिण अफ्रीकी टीम टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में पहुंच गयी। इस प्रकार इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका सहित दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। वहीं अब बचे हुए दो स्थानों के लिए भारत सहित चार टीमों वेस्टइंडीज,न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच मुकाबला है।

भारतीय टीम को अब सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए सुपर-8 के अपने अंतिम मुकाबले में वेस्टइंडीज से 1 मार्च को बड़े अंतर से जीतना है। इसके अलावा अन्य मैचों के परिणामों पर भी नजर रखनी होगी।

वहीं एक अन्य दावेदार न्यूजीलैंड ने 2 मैचों में से एक में जीत हासिल की है। न्यूजीलैंड को सुपर-8 के अपने अंतिम मैच में 27 फरवरी को इंग्लैंड से खेलना है। कीवी टीम अगर इंग्लैंड को हरा देती है तो उसे अंतिम ग्यारह में प्रवेश मिल जाएगा पर अगर न्यूजीलैंड इंग्लैंड से हार जाती है, तो टीम के लिए संभावनाएं काफी कम हो जाएंगी। न्यूजीलैंड के लिए केवल सकारात्मक बात ये है कि अभी टीम का नेट रन रेट प्लस 3.050 से काफी बेहतर है।

वहीं पाकिस्तान को 28 फरवरी को सुपर-8 के अपने अंतिम मैच में श्रीलंका से खेलना है। दो मैचों के बाद पाकिस्तान के पास अभी केवल एक अंक है। ऐसे में पाक अगर श्रीलंका को हरा देती है, तो टीम के कुल तीन अंक हो जाएंगे। वहीं पाक को यह भी प्रार्थना करनी होगी कि इंग्लैंड टीम न्यूजीलैंड को हरा दे। अगर पाक टीम श्रीलंका के खिलाफ जीत दर्ज करने में सफल रहती है और न्यूजीलैंड को इंग्लैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ता है तो ऐसी हालत में अच्छे नेट रन रेट वाली टीम को सेमीफाइनल में प्रवेश मिलेगा।

रिंकू सिंह के पिता का निधन, लिवर कैंसर से पीड़ित थे, बीसीसीआई सहित कई क्रिकेटरों ने शोक जताया

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रिंकू सिंह के पिता खानचंद्र सिंह का आज तड़के निधन हो गया। वह 60 साल के थे और पिछले काफी समय से लीवर कैंसर से पीड़ित थे। उसके पिता को गंभीर हालात में ग्रेटर ग्रेटर नोएडा के यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया गया था पर उन्हें बचाया नहीं जा सका।

लिवर कैंसर फोर्थ स्टेज में पहुंचने के बाद से ही उनकी हालात खराब चल रही थी। इसी कारण रिंकू भी विश्वकप के बीच ही आचानक अस्पताल पहुंचे थे। वह पिछले कुछ समय से गंभीर हालत में होने के कारण वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गये थे। डॉक्टरों ने उन्हें स्थिर करने की कोशिश की थी और लगातार किडनी रिप्लेसमेंट थेरेपी चल रही थी। मगर उनकी हालत संभल नहीं पायी। पिता के निधन के बाद से ही रिंकू के परिवार में मातम छाया हुआ है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने भी रिंकू के पिता के निधन पर शोक जताया है। शुक्ला ने लिखा, क्रिकेटर रिंकू सिंह के पिता श्री खानचंद सिंह जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। इस कठिन घड़ी में मेरी गहरी संवेदनाएं रिंकू और उनके समस्त परिवार के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोककुल परिवार को यह अपार दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें।इसके अलावा पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह सहित कई अन्य क्रिकेटरों ने भी रिंकू के परिवार के प्रति संवेदना जतायी है। रिंकू गत दिवस जम्बिाब्वे के खिलाफ मैच भी नहीं खेल पाए थे। रिंकू अपने पिता से मिलने अस्पताल पहुंचे थे। इसके बाद वह तुरंत चेन्नई लौट आए पर टीम प्रबंधन ने उन्हें अंतिम ग्यारह में शामिल नहीं किया था।

हरमनप्रीत कौर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार की वजह बताई

होबार्ट (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शुक्रवार को स्वीकार किया कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे में खराब बल्लेबाजी की वजह से उन्हें लगातार हार का सामना करना पड़ा। पिछले साल नवंबर में विश्व चैंपियन बनने के बाद यह भारतीय टीम की पहली 50 ओवर की श्रृंखला है। भारत ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराकर शानदार शुरुआत की। लेकिन रविवार को एक मैच बाकी रहते पहले दो वनडे गंवा दिए।

दोनों टीमें सभी प्रारूप की सीरीज खेल रही हैं जिसका फैसला अंक के आधार पर होगा। वनडे श्रृंखला के बाद एक टेस्ट भी खेला जाएगा। दूसरे वनडे में मिली पांच विकेट की हार के बाद हरमनप्रीत ने कहा, %हमने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। एक समूह के तौर पर हमने तय किया कि पहले बल्लेबाजी करते हैं और 300 से ज्यादा का स्कोर बनाएंगे क्योंकि पिच पिछले मैच की पिच से कहीं बेहतर थी।' उन्होंने कहा, 'लेकिन बदकिस्मती से हमने फिर वही गलतियां कीं। हमने लगातार विकेट गंवाए और ज्यादा रन नहीं बना पाए।'

हरमनप्रीत ने कहा, 'हम चाहे पहले बल्लेबाजी करें या लक्ष्य का पीछा करते हुए, हमें बहुत अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी क्योंकि जब भी हम अच्छी बल्लेबाजी करे हैं, हम अच्छी स्थिति में होते हैं। पिछले दो मैच में हमने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की और इसका हमें नुकसान हुआ। उम्मीद है कि अगले मैच में हम ऐसा करेंगे।'

ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली संन्यास लेने से पहले रविवार को अपना आखिरी मैच खेलेंगी। उन्होंने कहा, 'मैं परिणाम से बहुत खुश हूं। यह उन मैच में से एक था जहा मुझे लगा कि वे अच्छा स्कोर बनाने से बहुत पीछे रह गए, लेकिन साथ ही यह हमारे लिए हताशाजनक भी था क्योंकि मुझे लगा कि हम उन्हें थोड़ा और पहले आउट कर सकते थे। लेकिन इस तरह के विकेट पर उन्हें 250 रन पर रोकना हमारी टीम की एक शानदार कोशिश थी।'

जॉर्जिया, लिचफील्ड की अच्छी बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने दूसरे एकदिवसीय में भी भारतीय टीम को हराया

-सीरीज 2-0 से जीती

होबार्ट (एजेंसी)। जॉर्जिया वोल के शतक 101 रन और फीबी लिचफील्ड के 80 रनों की सहायता से मेजबान ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में भारतीय टीम को पांच विकेट से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रतिका रावल के अर्धशतक से भारतीय टीम ने 9 विकेट पर 251 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 36.1 ओवरों में ही पांच विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इस प्रकार तीन मैचों की सीरीज मेजबान टीम ने 2-0 से जीत ली है। ऑस्ट्रेलिया ने पहना एकदिवसीय भी जीता था।

इस दूसरे मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रतिका के अर्धशतक से 9 विकेट पर 251 रन बनाए। प्रतिका ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 81 गेंदों में छह चौके लगाकर 52 रन बनाये। प्रतीका ने स्मृति मंधाना 31 के साथ पहले विकेट के लिए 78 रन बनाये। इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी 70 गेंद पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 54 रन बनाकर पारी को संभाला। अंत में टीम 50 ओवरों में 251 रनों के अच्छे स्कोर तक पहुंच पायी। ऑस्ट्रेलिया ने जॉर्जिया के 101 और लिचफील्ड के 80 रनों की सहायता से तय ओवरों से पहले ही मैच जैच लिया। इस प्रकार

ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय टीम के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज जीत का सिलसिला बरकरार रखा है। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत भी ठीक नहं रही और उसने कप्तान एलिसा हीली का विकेट शुरुआत में ही खो दिया। हीली ने केवल 6 रन बनाये। इसके बाद दूसरे विकेट के लिए 15.4 ओवर में 119 रन बनाकर जॉर्जिया और लिचफील्ड ने अपनी टीम को संभाला। भारत की ओर से भारत की ओर से काशवी गौतम ने 47 रन देकर दो विकेट लिए। जबकि दीप्ति शर्मा ने 32 रन देकर दो विकेट लिए।

एशले गार्डनर ने चौका लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी ।

बांग्लादेश भी शुरु कर रहा महिला क्रिकेट लीग, भारतीय खिलाड़ियों को भी दिया आमंत्रण

ढाका ।बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) भी अब भारत के डब्ल्यूपीएल की तर्ज पर महिलाओं के लिए एक क्रिकेट लीग शुरु हरने जा रही है।इस लीग का नाम बांग्लादेश महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूबीपीएल) रखा गया है।इस लीग के मुकाबले 4 से 14 अप्रैल तक चलेंगे।ये टूर्नामेंट तीन टीमों के बीच होगा।बीसीबी ने इस लीग में खेलने का आमंत्रण भारतीय महिला खिलाड़ियों को भी दिया है।ये लीग इस उद्घाटन 4 अप्रैल को चटगांव में मुकाबले के साथ ही होगा।वहीं इसका खिताबी मुकाबला ढाका में खेला जाएगा।आईसीसी महिला टी20 विश्व कप इसी साल जून में होने वाली है और ऐसे में बीसीबी को उम्मीद है कि इस लीग से खिलाड़ियों को अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा।इसके साथ ही इससे नई प्रतिभाएं भी सामने आयेंगी।बीसीबी के अनुसार उसने इसमें शामिल होने का आमंत्रण भारतीय महिला क्रिकेटरों के साथ ही सभी देशों को दिया है। लीग गवर्निंग काउंसिल की प्रमुख रुबाबा डोवला ने कहा कि किसी भी देश की खिलाड़ी पर इसमें भाग लेने कोई रोक नहीं है।हाल ही में जिस प्रकार बीसीबी के भारतीय बोर्ड से मतभेद हुए हैं।उसको देखते हुए माना जा रहा है कि बीसीबी अब भारतीय बोर्ड से संबंधों को बेहतर करना चाहता है।डब्लयूबीपीएल इस लीग के लिए नीलामी मॉडल की जगह ड्राफ्ट सिस्टम अपनाएगा।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक में बदले हुए वजन वर्ग में उतरेंगे पहलवान रवि दहिया

नई दिल्ली ।ओलंपिक पदक विजेता पहलवान रवि कुमार दहिया ने कहा है कि उनका लक्ष्य लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतता है और इसके लिए वह तैयारी भी कर रहे हैं। टोक्यों ओलंपिक के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में रजत पदक विजेता रवि इसके बाद साल 2024 में पेरिस ओलंपिक में वह जगह नहीं बना पाये और इसी कारण अब वह अपना भार वर्ग बदलकर लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं।रवि 57 किग्रा की जगह अब 65 किग्रा भार वर्ग में हिस्सा ले सकते हैं। उनसे देश को अगले ओलंपिक में स्वर्ण पदक की उम्मीद है।इस खिलाड़ी का कहना है कि वह रजत तक ही सीमित नहीं रह सकते हैं। उनका लक्ष्य स्वर्ण जीतना है।रवि को पहचान 2018 में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में मिली।तब 57 किलोग्राम भार वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीता था।वहीं साल 2019 में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में अपनी जगह पक्की की थी।रवि एशियाई चैंपियनशिप में भी विजेता हैं।2018, 2020, और 2021 में उन्होंने इसमे स्वर्ण पदक जीते थे।टोक्यो ओलंपिक के बाद उन्होंने साल 2022 में राष्ट्रमण्डल खेलों में भी दहिया ने स्वर्ण पदक जीता था।उनके पिता राकेश दहिया तो किसान हैं, लेकिन उनके चाचा मुकेश दहिया कुश्ती से जुड़े रहे हैं।इस वजह से रवि को कुश्ती विरासत में मिली है, जिसे उन्होंने अपने प्रयासों से सफल बनाया है।रवि ने केवल 10 साल की उम्र में दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में कुश्ती प्रशिक्षण के लिए दाखिला लिया।

अभिषेक के फार्म हासिल करने पर युवराज ने खुशी जतायी, बोले बल्ले से ही आता है असली जवाब

नई दिल्ली ।पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह टी20 विश्वकप में अपने शिष्य अभिषेक शर्मा की शानदार पारी से बेहद खुश हैं।अभिषेक इस टूर्नामेंट में पहली बार अच्छी पारी खेलने में सफल रहे हैं।अभिषेक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर-आठ में 55 रनों की शानदार पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं शुरुआती तीन लीग स्तर के मैचों में वह शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये थे जबकि सुपर-8 के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 15 रन ही बना पाये थे।ऐसे में वह प्रशंसकों के निशाने पर थे।वहीं अब अभिषेक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ शर्मा ने 30 गेंद में 55 रन बनाकर लय हासिल की है।उन्होंने अपनी पारी के दौरान 4 छक्के भी जड़े।सेमीफाइनल से ठीक पहले अभिषेक के फार्म में आने से उनके गुरु युवराज बेहद खुश हैं।उन्होंने सोशल मीडिय में लिखा, अच्छी पारी सर अभिषेक, जारी रखो। अभिषेक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ संभलकर खेला पर अवसर मिलते हुए बड़े शॉट भी लगा दिये।इस बल्लेबाज ने हर गेंद पर बड़े शॉट लगाने की जगह पर स्ट्राइक रोटेट करने पर ध्यान दिया जिससे भी उन्हें लाभ हुआ।इसी को देखते हुए युवराज ने लिखा, असली जवाब तब होता है जब आप अपने बल्ले को ही सारी बात करने देते हैं।अच्छी पारी, सर अभिषेक।ऐसे ही लगे रहिए।

हम विरोधी गेंदबाजों में डर देखना चाहते थे: तिलक

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय टीम के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने कहा कि जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबले में टीम तय करके उतरी थी कि शुरुआत से ही विरोधी टीम पर दबाव बनाया जाये। तिलक के अनुसार हमारी टीम चाहती थी कि विरोध गेंदबाजों के अंदर डर का माहौल बने। जिससे कि वह सटीक गेंदबाजी नह कर पायें। भारतीय टीम ने चेन्नई में हुए इस सुपर-8 मैच में 256 रन बनाकर जिम्बाब्वे के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज की। तिलक ने कहा, हम टीम के रूप में अच्छा स्कोर बनाना चाहते थे। हमने इस पर बात की थी कि अगर हम पावर प्ले में तीन या चार विकेट भी गंवा दें तब भी आक्रामक होकर ही खेलेंगे।

तिलक ने संजू सैमसन की पारी की भी सराहना की। सैमसन ने पारी की शुरुआत करते हुए 15 गेंद पर 24 रन बनाए और अभिषेक शर्मा के साथ पहले विकेट के लिए 3.4 ओवरों में ही 48 रनों की साझेदारी बनायी। तिलक ने कहा, जब सलामी बल्लेबाज अच्छी शुरुआत देते हैं तो इससे तीसरे, चौथे और पांचवें नंबर के बल्लेबाजों का भी मनोबल बढ़ता है। सैमसन ने अच्छी शुरुआत की। इसके बाद हम विरोधी गेंदबाजों के अंदर डर देखना चाहते थे। और तिलक ने कहा कि खिलाड़ियों ने चेपॉक में खेले गए मैच से पहले पिछले टी20 मैचों के वीडियो देखे। उन्होंने कहा, हमने मैच से ठीक पहले बात की थी कि हम सकारात्मक मानसिकता के साथ मैदान में उतरेंगे। हमने पिछले एक साल में टी20 क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इन वीडियो को देखने के बाद हम सभी का मनोबल बढ़ा। तिलक ने कहा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी टीम के सदस्यों को बिना किसी दबाव के अपना स्वाभाविक खेल खेलने को कहा था। उन्होंने कहा, कोच कहा था कि हालात चाहे कैसी भी हो, बस उस तरह की क्रिकेट को याद रखें जो हमने पिछले साल से तथा न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीजमें खेली थी।तिलक ने कहा कि पिछले मैचों के वीडियो देखने और कोच की बातों से बल्लेबाजों के अंदर उत्साह पैदा। उन्होंने कहा, अहमदाबाद और दिल्ली दोनों की पिचें अच्छी थीं पर इस खेल में मानसिकता भी अहम भूमिका निभाती है। पहले हमारी मानसिकता यह थी कि विकेट गिरने के बाद हम बड़े शॉट खेलने के लिए थोड़ा समय देते थे पर इस मैच में अहम अगल रणनीति से उतरे। इससे पूरा दबाव विरोधी टीम पर आ गया।

किदांबी श्रीकांत बाहर, जर्मन ओपन में भारत का अभियान खत्म

मुल्हेम एन डेर रूहर। जर्मन ओपन 2026 में भारत की चुनौती गुरुवार को निराशाजनक तरीके से खत्म हुई, जब किदांबी श्रीकांत पुरुष सिंगल्स के दूसरे राउंड में सीधे गेम में हार गए, और टूर्नामेंट से बाहर हो गए। पूर्व वर्ल्ड चैंपियनशिप सिल्वर मेडलिस्ट और मौजूदा वर्ल्ड नंबर 32 चीनी ताइपे के 11वीं रैंक वाले लिन चुन-यी से सिर्फ़ 32 मिनट में 21-14, 21-9 से हार गए।ताइवानी शटलर के खिलाफ़ इतने ही हेड-टू-हेड मुकाबलों में श्रीकांत की यह दूसरी हार थी। जनवरी में इंडिया ओपन 2026 का टाइटल जीतने वाले लिन ने इससे पहले स्विस ओपन 2024 के सेमीफाइनल में श्रीकांत को तीन गेम में हराया था। श्रीकांत ने शानदार शुरुआत की, पहले गेम में 9-5 की बढ़त बना ली। हालांकि, लिन ने धीरे-धीरे वापसी की, कमी को दूर करते हुए 12-10 से आगे हो गए और फिर आराम से पहला गेम जीत लिया। इंटरवल के बाद ताइवानी शटलर का मोमेंटम मज़बूत रहा, उन्होंने दूसरे गेम में 7-1 की बढ़त बना ली और पूरे गेम में कंट्रोल बनाए रखा, जिससे श्रीकांत वापसी नहीं कर पाए।इंडियन खिलाड़ी ने इंडिया ओपन और इंडोनेशिया मास्टर्स में क्वार्टर-फाइनल में जगह बनाने के बाद इस टूर्नामेंट में एंट्री की थी और इस महीने की शुरुआत में बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में भी देश को रिप्रेजेंट किया था। बुधवार को जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी शर्मा, मालविका बंसोड़ और किरण जॉर्ज के पहले राउंड से बाहर होने से भारत की चुनौती पहले ही कम हो गई थी।भारतीय शटलर अब मशहूर ऑल इंग्लैंड ओपन 2026 में हिस्सा लेंगे, जो अगले मंगलवार को बर्मिंघम में शुरू होगा।

सेंटनर जैसा कप्तान होना हमारे लिए फायदेमंद : रचिन रविंद्र

कोलंबो ।न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रचिन रविंद्र ने टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह खिलाड़ियों को मजबूती का अनुभव कराते हुए बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हैं।रचिन के अनुसार सैंटनर किसी भी परेशानी में टीम के बचाव में उतरते हैं और अपने खिलाड़ियों को सुरक्षित अनुभव कराते हैं।रविंद्र ने कहा, सैंटनर काफी शांत स्वभाव के हैं पर इसके साथ ही उनका सोचने का अंदाज भी काफी सुलझा हुआ है, जैसे कि किस छोर से कैसी गेंद की जानी चाहिये।इससे भी अहम बात ये है कि वह अच्छा प्रदर्शन करके आगे बढ़कर नेतृत्व करते हैं।वह हमेशा खिलाड़ियों के साथ खड़े रहते हैं और उनका हौसला बढ़ाते हैं।मेरा मानना है कि उनके जैसा कप्तान मिलना टीम के लिए काफी फायदेमंद है।उनके नेतृत्व में मैदान पर उतरते ही आपको ऐसा अहसास होता है जैसे आप काफी सशक्त ।टीम में उनकी मौजूदगी से ही खिलाड़ी प्रेरित रहते हैं।यह केवल खिलाड़ियों को प्रेरित करने तक सीमित नहीं है।उपमहाद्वीप की पिचों पर गेंदबाजी करने का सैंटनर का अनुभव भी उन्हें विशेष बनाता है। वह अपनी स्पिनरों की हर प्रकार से सहाता करते हैं।इसीक कारण आज हमारे पास उनकी तरह के कई गेंदबाज हैं।वह हमें बताते हैं कि कैसी गेंदबाजी करनी है।इससे उभारते हुए खिलाड़ियों को काफी लाभ होता है।

टी20 विश्व कप : जिम्बाब्वे पर जीत से सूर्यकुमार खुश, लेकिन इस विभाग में सुधार की बात की

चेन्नई (एजेंसी)। बल्ले से थोड़ी देर के लिए कुछ खास करने के बाद, भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव पूरी टीम से बहुत खुश थे, जिन्होंने सबसे जरूरी मौके पर अच्छा प्रदर्शन किया, क्योंकि पिछली चैंपियन टीम ने कल रात यहां जरूरी मैच में जिम्बाब्वे को 72 रन से हराकर टी20 वर्ल्ड कप से बाहर कर दिया।

भारतीय कप्तान ने बाएं हाथ के अभिषेक शर्मा की जबरदस्त हाफ सेंचुरी से शो जीत लिया, जिन्होंने तीन बार डक के बाद अपनी बड़ी हिटिंग स्किल में वापसी का इशारा दिया, और प्लेयर ऑफ द मैच हार्दिक पांड्या ने जिम्बाब्वे के अटैक का जमकर मजा लिया, जिससे भारत ने चार विकेट पर 256 रन बनाए, जो भारत का अब तक का सबसे बड़ा टोटल और टी20 वर्ल्ड कप का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर था। बाद में गेंदबाजों ने भी बैट्समैन के अच्छे काम में अपनी भूमिका निभाई और जिम्बाब्वे को 6 विकेट पर 184 रन पर रोक दिया, जिससे भारत ने 72 रन के बड़े अंतर से जीत हासिल की और सेमीफाइनल की अपनी उम्मीदें जिंदा रखीं।

भारत को अपने पहले सुपर आठ मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका से बड़ी हार का सामना करना पड़ा था। भारत का अगला मैच वेस्टइंडीज के खिलाफ मशहूर ईडन गार्डन में एक तरह से क्वार्टरफाइनल नॉकआउट होगा, जिसमें जीतने वाला लास्ट फोर ग्रेड में पहुंच जाएगा। मैच के बाद सूर्यकुमार यादव ने कहा कि सभी बल्लेबाजों का योगदान देखकर खुशी हुई, उन्होंने सब कुछ पीछे छोड़ दिया (प्रोटियाज़ के खिलाफ हार)। हालांकि उन्होंने कहा कि टीम बॉल के साथ और क्लिनिकल हो सकती थी, लेकिन स्काई ने कहा, 'जीत तो जीत होती है और कैरिबियन के खिलाफ नॉक आउट मुकाबले से पहले शिकंजा कसने की अहमियत के बारे में बात की।'

सूर्यकुमार यादव ने जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों को भी पूरा क्रेडिट देते हुए कहा कि उन्होंने बहुत स्मार्ट बैटिंग की, जिसमें ओपनर ब्रायन बेनेट 97 (834, 636) रन पर नाबाद रहे और एक ऐसे टारगेट का पीछा करते हुए अकेले ही आगे बढ़े जो नामुमकिन साबित हुआ। स्काई ने कहा, 'हम सब कुछ पीछे छोड़ना चाहते थे, पिछला गेम, ग्रुप स्टेज। सभी बैट्समैन का योगदान था और यह देखकर खुशी हुई।हम बॉल के साथ और क्लिनिकल हो सकते थे लेकिन जीत तो जीत होती है। हमें वेस्ट इंडीज मैच से पहले अपना शिकंजा कसने की जरूरत है।'

उन्होंने कहा, 'मैं जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों से कोई क्रेडिट नहीं लेना चाहता। जिस तरह से उन्होंने बैटिंग की, वह बहुत स्मार्ट थी। बॉलिंग के नजरिए से, हम और बेहतर हो सकते थे। जब हम ऐसे हालात में होते हैं, तो हमें हिम्मत दिखानी होती है। जब हम कोलकाता पहुंचेंगे तो हम प्लान के बारे में सोचेंगे।'

संगकारा ने श्रीलंकाई क्रिकेट में बदलाव की जरुरत बतायी

कोलंबो।श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कुमार संगकार ने अपनी मेजबानी में हो रहे आईसीसी टी20 विश्वकप से टीम के बाहर होने पर निराशा जतायी है।इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ये हमारे क्रिकेट भविष्य को लेकर एक चेतावनी भी है, अगर हम अभी नहीं संभले तो इसी प्रकार पिछड़ते जाएंगे। इसलिए अब हमें बड़े बदलाव की जरुरत है। संगकारा ने कहा, इस प्रकार बाहर होने सो हर तरफ बहुत दर्द है।प्रशंसक टूट चुके हैं, निराश और गुस्से में हैं।खिलाड़ी भी बेहद आहत हैं।मैं ऐसे ड्रेसिंग रूम में रहा हूं, यह आसान नहीं होता। लेकिन देश का प्रतिनिधित्व करना एक जिम्मेदारी भी है और सौभाग्य भी।संगकारा ने खिलाड़ियों के जज्बे को समझते हुए कहा कि यह जिम्मेदारी का हिस्सा है, लेकिन इससे उबरने के लिए बदलाव जरूरी है। संगकारा ने कहा कि इस हार से हमें सबके लेते हुए खेल ढ़ांच में बदलाव करना होगा। साथ ही कहा, हर स्तर पर हमें काफी कुछ करने की जरुरत है। हम एक जैसी गलतियां दोहराते रहेंगे तो बेहतर परिणामों की उम्मीद नहीं की जा सकती है।अधुनिक क्रिकेट तेजी से बदल रहा है और हमें उसके अनुरुप ढ़लना होगा।अगर हमने अपने को नहीं बदला तो हम बाहर हो जाएंगे।

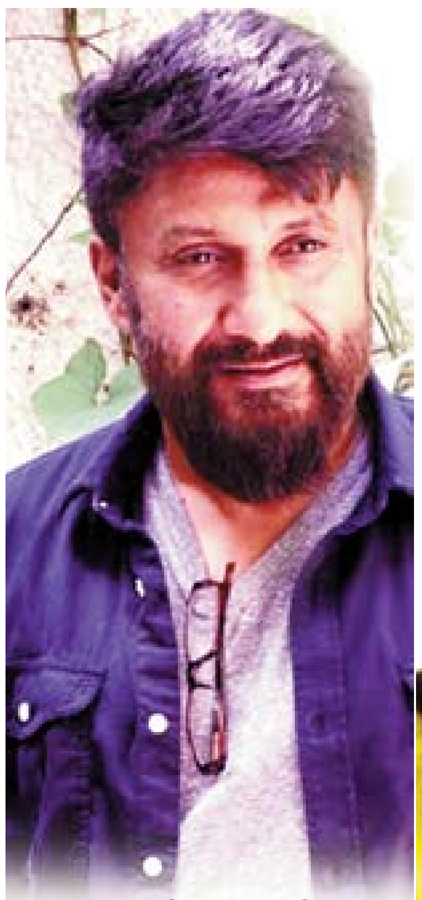

ऑपरेशन सिंदूर पर फिल्म बनाने की अफवाहों पर विवेक अग्निहोत्री ने तोड़ी चुप्पी

फिल्म 'कश्मीर फाइल्स' फेम निर्देशक विवेक अग्निहोत्री को लेकर ऐसी चर्चा है कि वे पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों की तरफ से पाकिस्तान के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित फिल्म बनाने की तैयारी में हैं। ऐसी अफवाहों पर विवेक अग्निहोत्री ने चुप्पी तोड़ी है।

पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 आतंकी हमला हुआ था इसके बाद भारतीय सेना की तरफ से ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया, जिसके तहत पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया था। कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि विवेक, टी-सीरीज के साथ मिलकर ऑपरेशन सिंदूर पर फिल्म बनाने वाले हैं। वहीं, इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, एक बातचीत में विवेक अग्निहोत्री ने इस टॉपिक पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि वे एक बड़े नेशनलिस्टिक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने और डिटेल्स बताने से मना कर दिया।

विवेक अग्निहोत्री ने ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित फिल्म बनाने संबंधी रिपोर्ट्स की पुष्टि करने या खारिज करने से मना करते हुए कहा, 'मैं किसी का नाम नहीं बता रहा हूं। मैं कह रहा हूं कि मैं एक बड़े नेशनलिस्टिक प्रोजेक्ट पर काम कर रहा हूं और मैं अपने समय पर इसका एलान करूंगा। यह बहुत बड़ा और बहुत ही दिलचस्प प्रोजेक्ट है।

अफवाहों को न खारिज किया, न ही पुष्टि की

पिंकविला के मुताबिक, प्रोडक्शन हाउस के करीबी सूत्रों ने बताया, 'भूषण कुमार और विवेक अग्निहोत्री ने अपनी अगली फिल्म 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए हाथ मिलाया है। इसे टी-सीरीज और आई एम बुद्धा प्रोडक्शन के बैनर तले बनाया जाएगा। विवेक अग्निहोत्री इसके निर्देशन की जिम्मेदारी संभालेंगे। हालांकि, विवेक अग्निहोत्री से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने स्पष्ट रूप से कुछ नहीं बताया। उन्होंने न ही पुष्टि की, न ही खारिज किया। हालांकि, देखना दिलचस्प होगा कि निर्देशक ने अपने जिस अगले प्रोजेक्ट की बात की है, क्या वह इसी मुद्दे पर है या किसी और विषय पर फिल्म बना रहे हैं।

मृणाल ठाकुर के एक्स बॉयफ्रेंड को थी इन एक्टर्स से इनसिक्योरिटी

मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी यूट्यूब पर रौनक रजनी के शो में अपनी आने वाली फिल्म दो दिवाने सहर में के प्रमोशन के लिए पहुंचे थे। इस बीच मृणाल ने शेयर किया कि उनका एक्स-बॉयफ्रेंड उनके को-एक्टर्स को लेकर कितना इनसिक्योर था।

इनसिक्योरिटी पर बोलीं मृणाल

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर से जब पूछा गया कि क्या वे खुद को एक इनसिक्योर मानती हैं या नहीं। तब, उन्होंने स्वीकार किया कि कभी-कभी उन्हें इनसिक्योरिटी होती है और इसके लिए उन्होंने अपने एक्स-बॉयफ्रेंड से जुड़ी एक कहानी शेयर की। मृणाल ने कहा, 'करियर के शुरुआती दिनों में, मैं ऋतिक रोशन के साथ 'सुपर 30' और शाहिद कपूर के साथ 'जर्सी' की शूटिंग कर रही थी। जो मेरा बॉयफ्रेंड था, उसे लगता था कि मैं अच्छे दिखने वाले एक्टर्स के साथ शूटिंग कर रही हूं और घूम रही हूं। इस वजह से उसे इनसिक्योरिटी होने लगी। उसने वर्कआउट करना शुरू कर दिया और 15-17 किलो वजन घटाकर मसल्स बनाए। लेकिन कुछ दिनों बाद, उसने वर्कआउट बंद कर दिया। फिर खाकर 20 किलो बढ़ा लिया। मेरे बॉयफ्रेंड ने कहा कि मैं थक गया हूं तुम्हारे एक्टर्स की बराबरी करने की वजह से। लेकिन असल में मैंने कभी उससे वजन घटाने को नहीं कहा। यह उसकी इनसिक्योरिटी थी, इससे मेरा कुछ लेना-देना नहीं था।

इस फिल्म में नजर आएंगी एक्ट्रेस

मृणाल ठाकुर जल्द ही 'दो दीवाने सहर में' नजर आने वाली हैं। यह एक रोमांटिक ड्रामा है। इसमें वे सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ रोमांस करती नजर आएंगी। रवि उदयवार के निर्देशन में बनी यह फिल्म 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके निर्माता संजय लीला भंसाली हैं।

'नागिन 7' में अपनी डायलॉग डिलीवरी को लेकर ट्रोल हुईं प्रियंका चाहर चौधरी

प्रियंका चाहर चौधरी निर्माता एकता कपूर के सीरियल 'नागिन 7' में मुख्य भूमिका में टीवी पर वापस आई हैं। शुरू में लोगों ने उनकी एक्टिंग और 'नागिन' के लुक की काफी तारीफ की थी। लेकिन हाल ही में शो का एक सीन वायरल हुआ है, जिसमें प्रियंका के डायलॉग डिलीवरी पर नेटिजन्स सवाल उठा रहे हैं।

डायलॉग डिलीवरी को लेकर ट्रोल हुई प्रियंका

'नागिन 7' में एक सीन में प्रियंका चाहर चौधरी 'नागिन' के रूप में एक भ्रष्ट पुलिस वाले को पीटते हुए उसकी गलतियां गिनाती हैं। यह एक लंबा संवाद वाला सीन है। इस सीन को देखने के बाद कई दर्शक निराश हो गए और सोशल मीडिया पर प्रियंका की डायलॉग बोलने की स्टाइल की कड़ी आलोचना कर रहे हैं।

मैं कभी बॉलीवुड नहीं छोड़ना चाहती थी

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा दुनियाभर में मशहूर हैं। उन्होंने बॉलीवुड और हॉलीवुड दोनों में काम किया है और अपने करियर में कई शानदार फिल्में की हैं। अपने करियर के पीक समय में उन्होंने बॉलीवुड छोड़ दिया था और हॉलीवुड का रुख किया था। लेकिन अब प्रियंका चोपड़ा ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि वे कभी बॉलीवुड छोड़ना नहीं चाहती थीं, लेकिन परिस्थितियों ने उन्हें हिंदी सिनेमा से बाहर मौके तलाशने के लिए 'पुश' किया।' बॉलीवुड से हॉलीवुड तक के अपने सफर पर बात करते हुए प्रियंका चोपड़ा ने खुलकर अपनी दिल की बात शेयर की। प्रियंका ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मैं कभी बॉलीवुड छोड़ना चाहती थी। लेकिन जब मैं हिंदी फिल्मों में काम कर रही थी, तो कई वजहों से खुद को थोड़ा सीमित महसूस करती थी। मैं अपने काम का दायरा बढ़ाना चाहती थी। एक कलाकार के तौर पर मैं कुछ नया और रोमांचक करना चाहती थी। इसी सोच ने मुझे दूसरे मौके तलाशने के लिए प्रेरित किया।' उन्होंने आगे कहा, 'इसी तलाश ने मुझे अमेरिका पहुंचाया। अब करीब 12 साल बाद मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं उस मुकाम पर हूं, जहां मैं अपने मनपसंद और बेहतरीन प्रोजेक्ट्स चुन सकती हूं। लेकिन यह सफर बिल्कुल आसान नहीं था।'

मुझे दोनों इंडस्ट्री में काम करना पसंद है

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे मेरी इंडियन फिल्मों से प्यार है। मैं बहुत खुश हूं कि वापस भारत में आकर वाराणसी फिल्म के लिए काम कर रही हूं। मैं कभी भी इन दोनों में से किसी एक को चुनना नहीं चाहूंगी। मैंने कभी ऐसा किया भी नहीं। मुझे लगता है कि मैं दोनों इंडस्ट्री के बीच संतुलन बनाकर चलती हूं और मुझे दोनों इंडस्ट्री में काम करना पसंद है। दोनों जगह काम करने का तरीका कई मायनों में अलग है, ठीक वैसे ही जैसे उनकी संस्कृतियां अलग होती हैं। लेकिन अब मेरा दिमाग दोनों तरीकों से सोचने का आदी हो चुका है। यह अपने आप में एक अनोखा, शानदार और मजेदार अनुभव है।'

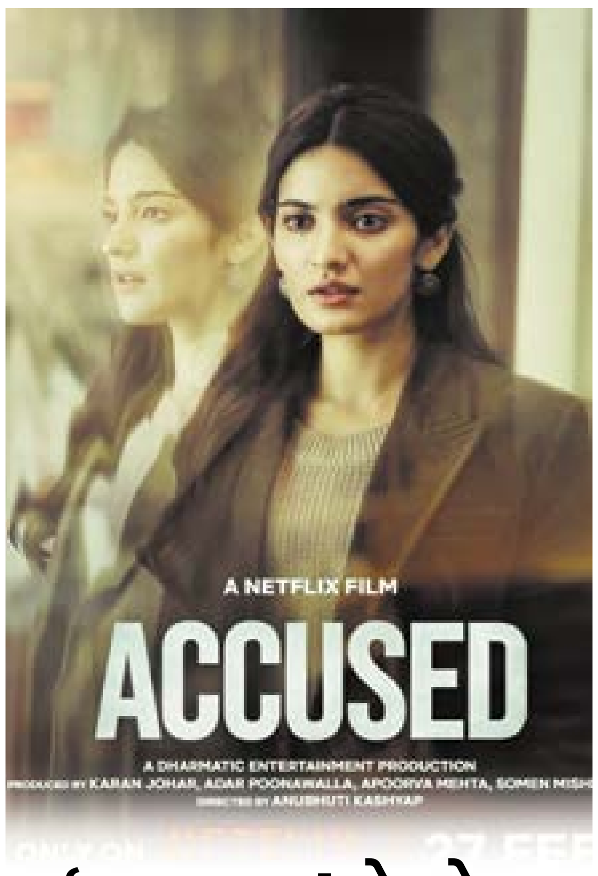

'अक्यूज्ड' के ट्रेलर में दिखा प्रतिभा रांटा का दमदार अंदाज

इस महीने की शुरुआत में नेटफ्लिक्स ने इस साल आने वाले अपने प्रोजेक्ट्स की घोषणा की थी। इसमें एक नाम शामिल था नेटफ्लिक्स की फिल्म 'अक्यूज्ड' का। कोंकणा सेन शर्मा और प्रतिभा रांटा स्टारर इस फिल्म का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। यह एक सस्पेंस-थ्रिलर ड्रामा है।

'अक्यूज्ड' पोलैंड में सेट सस्पेंस ड्रामा है। कहानी के केंद्र में हैं डॉ. गीतिका (कोंकणा सेन शर्मा), जो एक जाने-माने हॉस्पिटल में सबसे कम उम्र की हेड ऑफ डिपार्टमेंट के तौर पर काम कर रही हैं। डॉ. गीतिका एक मशहूर एलजीबीटीक्यू गायनेकोलॉजिस्ट हैं। वह डीन बनने की तैयारी कर रही हैं। गीतिका अपनी लेस्बियन पार्टनर मीरा (प्रतिभा रांटा) के साथ मिलकर एक बच्चे को एडॉप्ट करने की प्लानिंग करती हैं। लेकिन तभी सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल किया जाता है। डॉ. गीतिका पर यौन दुराचार के गंभीर आरोप लगते हैं। उन्हें काफी कुछ कहा जाता है। इससे डॉ. गीतिका की जिंदगी और करियर, दोनों में भूचाल आ जाता है। जनता और अधिकारियों का शक बढ़ता है और सच्चाई धुंधली होती जाती है। इसके पीछे कौन है और क्या वजह है, ये फिल्म देखने पर पता चलेगा। इस सस्पेंस-थ्रिलर फिल्म को अनुराग कश्यप की बहन अनुभूति कश्यप ने डायरेक्ट किया है। वो इससे पहले आयुष्मान खुराना की 'डॉक्टर जी' का भी निर्देशन कर चुकी हैं। वहीं करण जौहर के डिजिटल प्रोडक्शन हाउस धर्माटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले फिल्म का निर्माण किया गया है। फिल्म की कहानी भी अनुभूति कश्यप ने ही लिखी है। फिल्म में कोंकणा सेन शर्मा और प्रतिभा रांटा के अलावा आदित्य नंदा और सुकांत गोयल भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। 'अक्यूज्ड' 27 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

अस्सी की कहानी का मूल विचार समाचार पत्रों की सुर्खियों से प्रेरित है

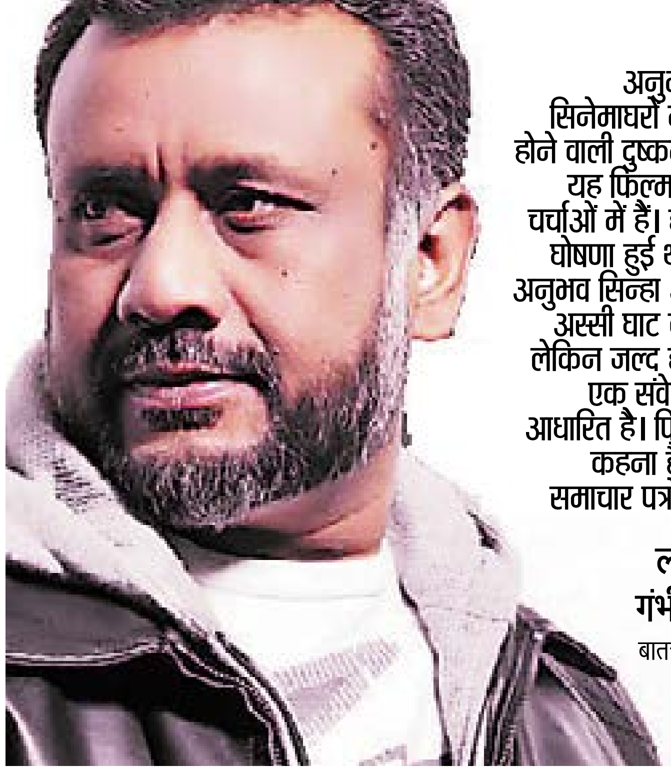

अनुभव सिन्हा की 'अस्सी' आज सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। देश में होने वाली दुष्कर्म की घटनाओं पर आधारित यह फिल्म अपनी घोषणा के बाद से ही चर्चाओं में हैं। हालांकि, जब इस फिल्म की घोषणा हुई थी, तो लोगों को लगा था कि अनुभव सिन्हा अपने गृहनगर वाराणसी के अस्सी घाट की कहानी लेकर आ रहे हैं। लेकिन जल्द ही पता चल गया कि कहानी एक संवेदनशील और जरूरी मुद्दे पर आधारित है। फिल्म को लेकर निर्देशक का कहना है कि कहानी का मूल विचार समाचार पत्रों की सुर्खियों से ही प्रेरित है।

लोगों को अब अपराध की गंभीरता से फर्क नहीं पड़ता

बातचीत में अनुभव सिन्हा ने फिल्म को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि हमारे चारों ओर सूचनाओं की भरमार के कारण, दर्शकों को किसी अपराध की गंभीरता का एहसास कराना कठिन होता जा रहा है। फिर चाहे वह बलात्कार जैसा जघन्य अपराध ही क्यों न हो। अब यह उतना मायने नहीं रखता कि आपकी आंखों के सामने क्या है, बल्कि यह मायने रखता है कि क्या आकर्षक है। आप उससे विचलित हो जाते हैं। इसलिए यह कोई गपशप या सनसनीखेज कहानी हो सकती है, क्योंकि यह अब सनसनीखेज नहीं रह गई है।

बॉक्स ऑफिस नंबर्स गपशप का विषय

बॉक्स ऑफिस नंबर्स और क्रिटिक्स की रेटिंग को लेकर निर्देशक का कहना है कि बॉक्स ऑफिस कलेक्शन और समीक्षाओं में स्टार रेटिंग जैसी मामूली बातें भी चर्चा को एक संख्या तक सीमित कर देती हैं। जबकि असल मुद्दा चिंता का विषय होना चाहिए। ये आंकड़े गपशप का अच्छा जरिया हैं। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इसे समझ रहे होंगे। उन्हें यह समझ नहीं आता कि दुनिया भर में कुल कमाई, भारत में कुल कमाई और भारत में शुद्ध कमाई क्या होती है। उन्हें यह नहीं पता कि निर्माता को बताई गई रकम का 50% से भी कम मिलता है। 400 करोड़ रुपये, 700 करोड़ रुपये और 800 करोड़ रुपये जैसे आंकड़े तो बहुत ही महत्वाकांक्षी लगते हैं। लेकिन मुझे उम्मीद है कि दर्शक इन आंकड़ों को गंभीरता से नहीं लेंगे। अगर मैं कर सकता तो मैं अपने आंकड़े घोषित नहीं करता, चाहे वे कितने भी अच्छे या बुरे क्यों न हों। लेकिन मैं इसे नहीं रोक सकता।

कोर्टरूम के अंदर के माहौल से असल में हुआ वाकिफ

कोर्टरूम को लेकर अनुभव ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में मेरी दो वरिष्ठ महिला वकील दोस्त हैं। हमने उन्हें कहानी सुनाई। उन्होंने कहा, 'आप लोग इतनी गंदी कोर्ट शूटिंग करते हो। आपने कभी कोर्ट देखी है?' मैंने कहा, 'जी हां, सुप्रीम कोर्ट।' तो उन्होंने कहा, 'इसीलिए! आपने वो शांत, परिष्कृत कोर्टरूम देखा है जहां हर कोई चुपचाप सुनता रहता है। लेकिन फिल्म का मामला उस कोर्ट में नहीं जाएगा। अगले ही दिन मैंने नई दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट का दौरा किया और वहां का नजारा देखकर दंग रह गया। मुझे एहसास हुआ कि मैंने फिल्म 'मुल्क' के कोर्टरूम सीन गलत तरीके से फिल्माए थे। यह कोर्टरूम बहुत भीड़भाड़ वाला और अव्यवस्थित है। मुझे कोर्टरूम की यह शीतलता बहुत पसंद आई। कोर्टरूम अपने काम में इतना मशगूल रहता है जबकि आपका जीवन इस पर निर्भर करता है।

छोटे शहरों में भी देखी जाती हैं 'अस्सी' जैसी फिल्में

अनुभव सिन्हा का मानना है कि वो इस धारणा को तोड़ देंगे कि 'अस्सी' जैसी फिल्में जनता के लिए नहीं होती हैं। उन्होंने अपने जमीनी स्तर के अभियान 'चल सिनेमा चलें' के तहत भारत के 40 दूसरे दर्जे के शहरों का दौरा किया है। उनका कहना है कि यह एक गलत धारणा है। उन्होंने कहा कि अब मैं कह सकता हूं कि दूसरे दर्जे के शहरों में इस तरह की फिल्में नहीं देखी जातीं। वे सिर्फ जवान या कांतारा जैसी फिल्में देखते हैं। बेशक उन्हें वो फिल्में ज्यादा पसंद आती हैं। लेकिन इन फिल्मों में भी उनकी काफी दिलचस्पी है। दिक्कत ये थी कि हम उन्हें सही तरीके से फिल्म नहीं दिखा पा रहे थे। इसलिए इस बार मेरा पूरा अभियान घर-घर जाकर प्रचार करने पर केंद्रित है। पिछले दो महीनों से हम छोटे शहरों में फिल्म का प्रचार कर रहे हैं।

आईएपीएसएमकॉन 2026 में सेल्फ हेल्प ग्रुप की महिलाओं ने आदिवासी कला एवं हस्तशिल्प उत्पादों का लगाया स्टॉल: प्रशासक प्रफुल पटेल ने की विजिट

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 27 फरवरी। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत महिला स्वयं सहायता समूहों के सशक्तिकरण एवं आजीविका संवर्धन की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम आईएपीएसएमकॉन 2026 के दौरान आदिवासी महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्यों द्वारा विभिन्न पारंपरिक आदिवासी कला एवं हस्तशिल्प उत्पादों का आकर्षक स्टॉल प्रदर्शित किया गया। इस स्टॉल में सेल्फ हेल्प ग्रुप की सदस्यों द्वारा निर्मित पारंपरिक हस्तनिर्मित वस्तुएँ, जनजातीय कलाकृतियाँ, हस्तशिल्प उत्पाद एवं स्थानीय सांस्कृतिक विरासत को दर्शाने वाली सामग्रियाँ प्रदर्शित की गईं, जिन्हें उपस्थित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों द्वारा अत्यधिक सराहा गया। इस पहल के माध्यम से न केवल महिला समूहों की आजीविका को प्रोत्साहन मिला, बल्कि आदिवासी समुदाय की समृद्ध कला, संस्कृति एवं पारंपरिक कौशल को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर भी प्राप्त हुआ। इस अवसर पर यह भी रेखांकित किया गया कि दीनदयाल अंत्योदय योजना- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित महिला स्वयं सहायता समूह ग्रामीण एवं आदिवासी महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उनकी पारंपरिक कला एवं संस्कृति के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। एसएचजी सदस्यों की सक्रिय भागीदारी ने यह सिद्ध किया कि स्थानीय स्तर पर विकसित कौशल और रचनात्मकता को उचित मंच प्रदान किए जाने पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान दिलाई जा सकती है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों, विशेषज्ञों एवं प्रतिभागियों ने आदिवासी महिलाओं की सृजनशीलता, नवाचार एवं सांस्कृतिक अभिव्यक्ति की सराहना करते हुए इसे महिला सशक्तिकरण का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। यह पहल महिलाओं की सामाजिक एवं आर्थिक उन्नति के साथ-साथ स्थानीय कला एवं संस्कृति के संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी। उल्लेखनीय है कि महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास एवं सांस्कृतिक संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु जिला पंचायत, दादरा नगर हवेली द्वारा निरंतर विभिन्न प्रशिक्षण, प्रदर्शनियों एवं विपणन अवसरों का आयोजन किया जा रहा है, जैसा कि पूर्व आयोजित कार्यक्रमों में भी परिलक्षित हुआ है। महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्यों ने प्रशासक प्रफुल पटेल के निरंतर मार्गदर्शन, प्रोत्साहन एवं सहयोग हेतु हृदयपूर्वक आभार व्यक्त किया।

आईएपीएसएमकॉन 2026 में माय एफएम 93.7 दमण का लाइव स्टूडियो स्थापित: प्रशासक प्रफुल पटेल ने ली मुलाकात

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 27 फरवरी। आईएपीएसएमकॉन 2026 के अवसर पर सिलवासा में आयोजित सम्मेलन स्थल पर माय एफएम 93.7 दमण द्वारा एक भव्य लाइव स्टूडियो की स्थापना की गई है, जो प्रतिभागियों और आगंतुकों का विशेष आकर्षण केंद्र बना। इस लाइव स्टूडियो के माध्यम से सम्मेलन की गतिविधियों का सीधा प्रसारण, विशेषज्ञों के साक्षात्कार और विशेष संवाद प्रस्तुत किए गए। दमण के पहले निजी रेडियो स्टेशन के रूप में हाल ही में स्थापित माय एफएम 93.7 दमण के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल ने कार्यक्रम के दौरान माय एफएम 93.7 दमण के स्टॉल का दौरा किया। उन्होंने टीम से संवाद कर उनके प्रयासों की सराहना की और नए स्थापित निजी रेडियो स्टेशन के सफल संचालन हेतु शुभकामनाएं भी दी।

भीमपोर ग्राम पंचायत में एक माह तक चले स्वच्छता अभियान को सफल बनाने वाले स्वच्छता योद्धाओं को किया गया सम्मानित

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 27 फरवरी। भीमपोर ग्राम पंचायत विस्तार में सरपंच उदय पटेल के नेतृत्व में 1 माह तक स्वच्छता अभियान चलाया गया। सतत चल रहे स्वच्छता अभियान को ग्रामीणों एवं सफाई कर्मियों के सहयोग से सफल रहा। स्वच्छता योद्धाओं की सेवा को सराहने के लिए पंचायत में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सरपंच उदय पटेल एवं पंचायत सदस्यों ने स्वच्छता कर्मचारियों को सम्मानित किया और भीमपोर ग्राम पंचायत को स्वच्छ एवं सुंदर पंचायत बनाने के लिए दिये गये सहयोग के लिए उनकी सराहना भी की। इसके साथ ही दोपहर को स्वच्छता योद्धाओं को भोजन भी कराया गया। स्वच्छता अभियान की सफलता का श्रेय सफाई योद्धाओं को दिया गया। सरपंच उदय पटेल ने कहा कि आपके मेहनत एवं समर्पण से स्वच्छता अभियान सफल रहा है। आपकी निष्ठा, परिश्रम एवं दैनिक समर्पित सेवा से भीमपोर गांव और स्वच्छ और सुंदर बना है। यह सम्मान मात्र एक कार्यक्रम नहीं बल्कि आपके परिश्रम के प्रति हमारी कृतज्ञता एवं सम्मान है।

दीव के घोघला आईटीआई के 3 कर्मचारियों को दी गई सेवानिवृत्ति विदाई

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 27 फरवरी। दीव के घोघला स्थित आईटीआई के 3 कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति विदाई दी गई। आईटीआई परिसर में आयोजित विदाई समारोह में क्राफ्ट इंस्ट्रक्चर महेश बारैया, एमटीएस कर्मचारी जेठालाल बारैया और पुष्पा पी. सोलंकी को आज सम्मानित करते हुए विदाई दी गई। क्राफ्ट इंस्ट्रक्चर महेश बारिया ने 33 वर्ष 5 माह, एमटीएस जेठालाल बारैया ने 32 वर्ष 9 माह और पुष्पा सोलंकी ने 32 वर्ष 5 माह घोघला आईटीआई में अपनी सेवा देकर आज सेवा निवृत्त हुए। विदाई समारोह में हेड ऑफ ऑफिस डी. बी. आहिर, ग्रुप इंस्ट्रक्चर इंचार्ज संदीपभाई, इंचार्ज प्रिंसिपल परेश ठक्कर एवं अन्य स्टाफ एवं कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

अहमदाबाद में आयोजित ब्रेल प्रशिक्षण कार्यक्रम में दीव के शिक्षकों को किया गया सम्मानित

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 27 फरवरी। गुजरात के नेशनल प्रशिक्षण अहमदाबाद में कैपेसिटी प्रोग्राम फॉर ब्रेल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें दीव के पीएमश्री अंग्रेजी माध्यम घोघला स्कूल की शिक्षिका सरिता सोलंकी और अंग्रेजी माध्यम गांधीपरा दीव के शिक्षक सत्यवान रघुवीर पनवार ने हिस्सा लिया। समापन सत्र में गुजरात विद्यापीठ के कुलपति डॉ. हर्षद पटेल, डॉ. भूषण पूनानी, डॉ. नंदनी रावल, डॉ. सुमीन प्रकाश, डॉ. शिल्पा मनोगना, डॉ. हेमंतकुमार मोर्या, डॉ. शीलू कछप, विमल थवाणी, डॉ. बिपिन मेहता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को ब्रेइल पढने-लिखने में निपुण बनाने और इंटरेक्टिव सत्र का प्रदर्शन तथा व्यवहारिक प्रशिक्षण देना था। यह कार्यक्रम एनसीईआरटी के माध्यम से आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण सत्र के समापन अवसर पर प्रशिक्षण लेने वाले सभी शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

torrent POWER DNHDD

सार्वजनिक सूचना

दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव पावर डिस्ट्रीब्युशन कोर्पोरेशन लिमिटेड के विभिन्न ओवरहेड लाइनों (एलटी और एचटी) के साथ या बिजली के खंभों के माध्यम से कई जगहों पर INTERNET, CABLE TV, FIBER OPTIC और अन्य लाइनों के केबलों का नेटवर्क अवैध रूप से पाया गया है। दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव पावर डिस्ट्रीब्युशन कोर्पोरेशन लिमिटेड के विद्युत नेटवर्क की पावर लाईन के अलावा अन्य विद्युत नेटवर्क होना बेहद खतरनाक है, जिससे बड़ी बिजली दुर्घटना हो सकती है। उपरोक्त केबल नेटवर्क रखने वाले किसी भी संगठन या व्यक्ति से अनुरोध है कि इसे तुरंत बिजली के खंभे (पोल)से हटा दें। उपरोक्त नेटवर्क हटाने से पहले, कृपया दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव पावर डिस्ट्रीब्युशन कोर्पोरेशन लिमिटेड को ग्राहक सेवा नंबर 9099991912, 1800-233-9500, 19126, 1800-270-5551 पर सूचित करें ताकि बिजली खंभे से ऐसे नेटवर्क को सुरक्षित रूप से हटाया जा सके। दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव पावर डिस्ट्रीब्युशन कोर्पोरेशन लिमिटेड की बिजली लाइनों पर अनअधिकृत INTERNET, CABLE TV, FIBER OPTIC और अन्य केबलों की वजह से किसी भी आकस्मिक नुकसान और जानहानी की पूरी जिम्मेदारी केबल / नेटवर्क धारक की होगी।

आपकी सेवा में सदैव उपस्थित
Helpline 9099991912, 18002339500, 19126, 18002705551
connect.torrentpower.com
connect.dnhdd@torrentpower.com

torrent POWER DNHDD

बिजली बंद होने की सूचना

उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणात्मक बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए नेटवर्क रखरखाव की योजना बनाई गई है। निम्न दर्शित संबंधित सबस्टेशनों से ग्राहकों को मिलने वाली बिजली सुबह १०:०० से शाम ६:०० बजे तक आपूर्ति बंद रहेगी। कृपया तदनुसार आपकी गतिविधियों की योजना बनाएं। हालांकि, बिजली आपूर्ति निर्धारित समय से पहले शुरू करने के सभी प्रयास किए जाएंगे।

दिनांक	सबस्टेशन	फीडर	क्षेत्र का नाम
०७/०३/२०२६ शनिवार	मसाट	११ केवी मसाट इंड.-४	कामधुजिया गली, मसाट खाड़ीपाड़ा, कैनबेरा, ऐड ज्योहल ऑयल, मसाट खाड़ीपाड़ा स्कूल, रघुभाई हाउस, गीता धाम, धूमल, फीनिक्स, गणपति अलॉय, शेहल, जयजी, राम मंदिर, अपोलो, सोनाली एचटी
		११ केवी मसाट इंड.-३	गायत्री ईन्जी, तेजस एग्रो, तेजस एग्रो प्रोडक्ट, शखाला पोलीमर, केलकी, मेघना पैकेजिंग, पी एम पोलिएस्टर, सिद्धि प्लास्ट -१ और २, किशोर ईन्जी, यूनिक वायर, टीसीपीएल पैकेजिंग, सिन्टेक्स तपारिया, संडोज, रॉयल एच टी, दालमिया पोलीफिल एचटी, लक्ष्मीर एच टी, के.के.कम्पाउंड एचटी, शंकर एचटी, शीतल पोली प्लास्ट, मसाट इंडस्ट्रियल एरिया, क्रिस्टलफिल्म्या एचटी

असुविधा के लिए खेद है

आरसीसीबी/ईएलसीबी का प्रमुख लाभ
आपके परिवार की सुरक्षा का वादा
अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर स्थापित करें और सुरक्षित रहें
एक छोटी सी डिवाइस आपको बिजली के झटके से बचाएगी

आपकी सेवा में सदैव उपस्थित
Helpline 9099991912, 18002339500, 19126, 18002705551
connect.torrentpower.com
connect.dnhdd@torrentpower.com

torrent POWER DNHDD

बिजली बंद होने की सूचना

उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणात्मक बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए दादरा नगर हवेली एवं दमन दीव पावर कोर्पोरेशन लिमिटेड (ट्रान्समिशन) द्वारा नेटवर्क रखरखाव की योजना बनाई है, ऐसा हमें सूचित किया गया है। निम्न दर्शित संबंधित सबस्टेशनों से ग्राहकों को मिलने वाली बिजली सुबह ११:०० से शाम ४:०० बजे तक आपूर्ति बंद रहेगी। कृपया तदनुसार आपकी गतिविधियों की योजना बनाएं। हालांकि, बिजली आपूर्ति निर्धारित समय से पहले शुरू करने के सभी प्रयास किए जाएंगे।

दिनांक	सबस्टेशन	क्षेत्र का नाम
०१/०३/२०२६ रविवार	खड़ोली (१५ MVA PTR- १,२,३ & २० MVA PTR- २	खड़ोली इंडस्ट्रियल एरिया, अंबोली, खड़ोली नवापाड़ा, खड़ोली धोडीपाड़ा, खड़ोली कारभारीपाड़ा, दपाड़ा धोडीपाड़ा ६६ केवी एक्सप्रेस फीडर: मीरा कोटन, आईपीपी (दपाड़ा), मेहता पोलीटेक्स, आईटीडब्ल्यू साइनोड इन्डिया, टीपीएल, बालाजी कास्टिंग, टीसीपीएल (खड़ोली), वैष्णो कास्टिंग्स, एम. आई. एलॉयस, किसान (मोल्डिंग) इरिगेशन, केईआई केबल, चतुर्भुज एलॉय, हिन्दुस्तान यूनिलीवर खड़ोली, जय कॉर्प (वासोना), श्याम ईगोट्स (खड़ोली), अभिश्री, सूरज इंडस्ट्री, आईमीपीएल (खड़ोली) ६६ केवी उपभोक्ता: राज रेयॉन इंडस्ट्रीज

असुविधा के लिए खेद है

आरसीसीबी/ईएलसीबी का प्रमुख लाभ
आपके परिवार की सुरक्षा का वादा
अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर स्थापित करें और सुरक्षित रहें
एक छोटी सी डिवाइस आपको बिजली के झटके से बचाएगी

आपकी सेवा में सदैव उपस्थित
Helpline 9099991912, 18002339500, 19126, 18002705551
connect.torrentpower.com
connect.dnhdd@torrentpower.com

IN THE HIGH COURT OF JUDICATURE AT BOMBAY
TESTAMENTARY AND INTESTATE JURISDICTION
TESTAMENTARY PETITION NO. 259 OF 2025

CITATION

Petition for grant of Letter of Administration with certified copy of Will annexed to the **property and credits of Mr. Francisco Libano**, Son of Garibaldo Louis Libano, aged 80 years, Christian, Indian Inhabitant of Daman, Widower, Occupation: Retired, Domicile: Daman who was residing at the time of his death at House No. 32/C, Plot No. 71/A-2, Village Usarli Khurd, P.O. ONGC, Taluka Panvel, Dist. Raigarh, Maharashtra 410221.
...Deceased

GABRIEL FREDDY ROBERT ADAM, son of Adam Anthony Gabriel, Age: 66 years, Occ: Retired, Christian, Indian, Inhabitant of Panvel, having address at Plot No. 7/1A-2, Village Usarli Khurd, P. O. ONGC, Tal. Panvel, Dist. Raigad - 410206

being the Sole Legatee under the Will and Testament of the Deceased

Petitioner

To,
1) Joao Alvaro Libano
Add: House No. 7/178, Plot No. PTS-77/27B, Machiwad Road, Moti Daman, Daman and Diu - 396220:

2) Angelica (Angela) Remedios E Fernandes
Add: House No. DMC - 5/41, Badrapore, Moti Daman, Daman and Diu - 396220

3) Jop Remedios Alias Gonsalo Remedios
Add: House No. DMC-5/41, Badrapore, Moti Daman, Daman and Diu - 396220

4) Lucy Lobe e Remedios
Add: House No. DMC-5/41, Badrapore, Moti Daman, Daman and Diu - 396220

5) Joe (Joseph) Remedios
Add: House No. DMC-5/41, Badrapore, Moti Daman, Daman and Diu - 396220

6) Rozita Pereira
Add: House No. DMC-5/41, Badrapore, Moti Daman, Daman and Diu - 396220

7) Anthony Remedios
Add: House No. DMC-5/41, Badrapore, Moti Daman, Daman and Diu – 396220

8) To,
ALL CONCERNED :

If your claim to have any interest in the estate of the abovenamed Deceased, you are hereby cited to come and see the proceedings before the grant of Letter of Administration with Will annexed.

In case you intend to oppose the grant of Letter of Administration with Will annexed, you should file in office of the Prothonotary and Senior Master a caveat within 14 days from the service of this citation upon you.

"You are hereby informed that the free legal services from the State Legal Services Authorities, High Court Legal Services Committees, District Legal Services Authorities and Taluka Legal Service Committees as per eligibility criteria are available to you and in case, you are eligible and desire to avail the free legal services, you may contact any of the above Legal Services Authorities/Committees."

Witness Shri. Shree Chandrashekhar, the Chief Justice at the Mumbai aforesaid, this 18 day of February, 2026.

Sd/-
For Prothonotary and Senior Master

Sealer
This 21 day of February, 2026.

BHARAT G. THORAT
Advocate for Petitioner,
14, Cosmos Chambers, 1st Floor,
Building No. 20, Rajabahadur Mansion,
Behind Bombay Stock Exchange,
Ambalal Doshir Marg, Fort, Mumbai - 001
Mob. 8983214598.
Email: adv.bgthorat@gmail.com

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित। (समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)